INS ACCREDITED
यूंनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-74 | सांध्य दैनिक | मथुरा, सोमवार, 11 मई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

पड़ताल

कागजों में हरियाली, गांवों में धुआं और बीमारियां

जहरीली हवा में घुटती सांसें

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। सुबह का वक्त। विकास खंड नौहझील में राम नगला गांव के कच्चे आंगन में खेलती नन्ही गुड़िया पल्लवी अचानक खांसने लगती है। घर की छत पर रातभर जमी राख मां झाड़ती है। खेत से लौटता किसान रामकिशन आंखों में जलन की शिकायत करता है। बुजुर्ग मोहन सिंह दवा की पुड़िया संभालते हुए कहते हैं–"सांस अब पहले जैसी नहीं रही"। गांव की हवा में घुली यह बेचैनी कोई एक दिन की कहानी नहीं, बल्कि उन वर्षों पुराने आदेशों की सच्चाई है जो सरकारी फाइलों में धूल फांक रहे हैं, जिसके कारण जमीन पर आम आदमी धूल और धुएं में सांस लेने को मजबूर हैं और बीमारी के कारण कर्ज तले दब चुके हैं।

मथुरा में ईंट भट्ठों के चारों ओर 10 मीटर चौड़ी हरित पट्टी विकसित करने का नियम वर्षों पहले बनाया गया था। मकसद साफ था–गांवों को धूल और जहरीले धुएं

ग्रीन बेल्ट नियमों पर फिर उठे बड़े सवाल

गरीब परिवारों पर इलाज का बढ़ता आर्थिक बोझ

निरीक्षण और कार्रवाई पर उठ रहे गंभीर सवाल

से बचाना। लेकिन जिला पर्यावरण समिति और जिला पौधरोपण समिति की हालिया बैठक में जब इस मुद्दे पर डीएम सीपी सिंह को दोबारा रिपोर्ट तलब करनी पड़ी तो इसने पूरे सिस्टम पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया। अगर नियम जमीन पर सही तरीके से लागू हुए होते तो बार–बार समीक्षा और जांच की जरूरत आखिर क्यों पड़ती? अस्पतालों में खांसी, सांस, अस्थमा, आंख और त्वचा के मरीजों की लंबी लाइनें क्यों लगतीं?

धूल और धुआं बन रहे फेफड़ों के बड़े दुश्मन

यूनिक समय, मथुरा। स्वास्थ्य विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि लंबे समय तक धूल और धुएं के संपर्क में रहने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों की गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। लेकिन गांव के गरीब आदमी के लिए बीमारी केवल स्वास्थ्य संकट नहीं होती–वह उसकी जेब, मजदूरी और पूरे परिवार की रोटी पर हमला बन जाती है। दवाओं पर खर्च बढ़ता है, मजदूरी छूटती है और कर्ज का बोझ बढ़ने लगता है।

लोग अब भी जहरीली हवा में जीने को मजबूर क्यों..

यूनिक समय, मथुरा। सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब पर्यावरण सुरक्षा के नियम पहले से मौजूद हैं तो फिर गांवों के लोग अब भी जहरीली हवा में जीने को मजबूर क्यों हैं? क्या निरीक्षण सिर्फ फाइलों तक सीमित है? क्या जवाबदेही तय करने की इच्छाशक्ति कमजोर पड़ गई है? क्योंकि यह मामला केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि उन हजारों गरीब परिवारों का है जिनकी जिंदगी धुएं और धूल के बीच धीरे–धीरे घुट रही है। अगर व्यवस्था अब भी नहीं जागी तो आने वाले वर्षों में इसकी कीमत केवल पेड़–पौधे नहीं, बल्कि गांवों की पूरी पीढ़ियां अपनी सांसों और सेहत से चुकाएंगी।

जिले में वर्ष 2021 और 2022 की रिपोर्टों के अनुसार करीब 376 भट्टे पंजीकृत हैं जिनमें से करीब 350 भट्टे संचालित हैं। जिले के कई ग्रामीण और अर्धशहरी इलाकों में ईंट भट्ठों के आसपास आज भी वहीं तस्वीर दिखाई देती है–उड़ती राख, धुएं की चादर और धूल से भरी हवा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई जगह हरित पट्टी केवल "दिखावे" तक सीमित है। कहीं कुछ पौधे लगाकर फोटो खिंचवा ली और इति श्री कर लिया, लेकिन बाद में न तो सिंचाई हुई और न देखरेख। कुछ महीनों बाद वह चन्द पौधे भी सूख जाते हैं और गांव फिर से उसी जहरीली हवा के भरोसे छोड़ दिए जाते हैं।

सबसे ज्यादा असर उन गरीब परिवारों पर पड़ रहा है, जिनके पास इलाज के लिए बड़े अस्पतालों तक पहुंचने की क्षमता नहीं। बच्चों में लगातार खांसी, बुजुर्गों में सांस फूलने की समस्या, महिलाओं में आंख और त्वचा संबंधी दिक्कतें अब सामान्य शिकायत बनती जा रही हैं। मथुरा के अस्पतालों में ऐसे मरीजों की लंबी–लंबी लाइनें लगना अब रोज की कहानी बन गई है, गांवों में रहने वाले लोग बताते हैं कि रात और सुबह के समय धुएं की परत इतनी भारी महसूस होती है कि खुली हवा में सांस लेना भी मुश्किल लगता है।

प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिगी अधिकारी वेंकट श्रीकर पटेल ने बताया कि इस संबंध में जिला स्तरीय बैठक के दौरान क्षेत्राधिकारी जिला प्रदूषण नियंत्रण को कई बार टोका गया है वह ही उचित जबाब दे सकते हैं वहीं क्षेत्राधिकारी जिला प्रदूषण नियंत्रण पंकज यादव ने फोन ही रिसीव नहीं किया।

हाईकोर्ट ने रात्रि 10 बजे बाद डीजे बजाने पर लगाई रोक

यूनिक समय, मथुरा। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊपीठ ने रात 10 बजे के बाद होने वाले तेज शोर और ध्वनि प्रदूषण पर सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने राज्य सरकार, पुलिस, नगर निगम और विकास प्राधिकरणों को निर्देश दिया है कि शादी–विवाह और अन्य समारोहों में तय सीमा से अधिक शोर को तुरंत रोका जाए। कोर्ट ने कहा कि तेज आवाज से बच्चों, बुजुर्गों और आम लोगों को परेशानी होती है, इसलिए नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए।

न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने यह आदेश एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान दिया है। अदालत ने प्रदेश के सभी 18 मंडलों के कमिश्नरों और जिलाधिकारियों को अपने क्षेत्रों में पार्कों, खेल मैदानों और खुली जगहों का सर्वे कराने के निर्देश भी दिए हैं। इन स्थानों को सरकारी सूची में शामिल कर पूरा विवरण अदालत में प्रस्तुत करने को कहा गया है।

हाईकोर्ट ने लखनऊ विकास प्राधिकरण को भी जनेश्वर मिश्र पार्क समेत अन्य पार्कों में

शादी समारोहों में ध्वनि प्रदूषण पर हाईकोर्ट सख्त

पार्कों के व्यावसायिक उपयोग पर मांगा पूरा ब्यौरा

व्यावसायिक गतिविधियों की अनुमति पर पुनर्विचार करने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि ऐसे आयोजनों से पर्यावरण, पक्षियों और आसपास रहने वाले लोगों पर बुरा असर पड़ता है।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पार्कों और खुले स्थानों का उपयोग उसी उद्देश्य के लिए होना चाहिए, जिसके लिए वे निर्धारित किए गए हैं। बिना अनुमति इनके व्यावसायिक इस्तेमाल की अनुमति नहीं दी जा सकती।

टेक्नोलॉजी

मथुरा–वृंदावन में तेजी से उभरता डिजिटल इनोवेशन हब

एआई और पर्यटन से बदल रही ब्रज की पहचान

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। योगिराज श्रीकृष्ण की लीलास्थली मथुरा–वृंदावन अब सिर्फ आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि तेजी से उभरता टेक्नोलॉजी और डिजिटल इनोवेशन हब भी बनता जा रहा है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 2026 पर मथुरा की तस्वीर बदलती नजर आ रही है, जहां भक्ति और बुद्धि, परंपरा और ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक साथ आगे बढ़ रहे हैं।

वर्ष 2023 में मथुरा–वृंदावन में करीब 7.9 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे थे। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक यहां 13.9 करोड़ डे विजिटर्स और 80 लाख से अधिक ओवरनाइट पर्यटक आएंगे, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था पर करीब 42 हजार करोड़ रुपये का प्रभाव पड़ सकता है। इसी बढ़ते धार्मिक

पर्यटन के बीच अब एआई, स्मार्ट टेक्नोलॉजी और डिजिटल इंडिया मिशन की एंट्री ने ब्रजभूमि को नई दिशा देनी शुरू कर दी है।

जीएलए यूनिवर्सिटी में इंडस्ट्री 4.0 लैब्स, रोबोटिक आर्म्स, सीएनसी मशीनें, एआई एवं मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स और ब्लॉकचेन जैसी आधुनिक सुविधाएं युवाओं को विश्वस्तरीय तकनीकी शिक्षा दे रही हैं। यहां के छात्र अब जेनरेटिव एआई और प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग जैसे उभरते क्षेत्रों में प्रशिक्षण ले रहे हैं। ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्र भी अब हाई–टेक स्किल्स के जरिए बड़े पैकेज वाली नौकरियों तक पहुंच बना रहे हैं।

वहीं बाँके बिहारी टेंपल और वृंदावन क्षेत्र में भीड़ प्रबंधन, सुरक्षा और डिजिटल सेवाओं के लिए स्मार्ट कैमरों और कंट्रोल रूम आधारित सिस्टम का उपयोग बढ़ा है। छोटे दुकानदारों, रिक्शा चालकों और स्थानीय व्यापारियों तक डिजिटल भुगतान व्यवस्था पहुंच चुकी है। पर्यटन और टेक्नोलॉजी का यह संगम आने वाले वर्षों में मथुरा को उत्तर भारत के बड़े एआई और हेरिटेज टेक हब के रूप में स्थापित कर सकता है। इससे हजारों युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर मिल रहे हैं। अब ब्रजभूमि में सिर्फ मंदिरों की घंटियां ही नहीं, बल्कि डिजिटल भारत की नई तकनीकी गूंज भी सुनाई देने लगी है।

GLA UNIVERSITY
Recognised by UGC Under Section 2(f) & 12B Status
Accredited with A+ Grade by NAAC
Mathura | Greater Noida
28 Years EDUCATIONAL EXCELLENCE
ADMISSION OPEN 2026-27
COURSES OFFERED
BA LLB (Hons)
BBA LLB (Hons)
LLM
» Banking, Finance and Insurance Law
» Cyber & Data Privacy Law
ILSR students across prominent organizations:
Career Pathways
• Advocate • Corporate Counsel
• Legal Advisor • Government Services
• Legal Analyst • Company Secretary
• Researcher • Legal Writer
• Academician and many more...
SCAN FOR REGISTRATION
+91-9027068068 | Visit us: www.gla.ac.in
EMPOWER YOUR GROWTH WITH GLA ONLINE | Find details at: online.gla.ac.in

हस्तशिल्प के कारीगरों को नई पहचान दिलाने की तैयारी

ब्रज के शिल्पकारों को मिलेगा सम्मान

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। जनपद के हस्तशिल्पियों और पारंपरिक कारीगरों के लिए अच्छी खबर है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विशेष हस्तशिल्प प्रादेशिक पुरस्कार योजना के तहत आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस योजना के अंतर्गत राज्य स्तरीय हस्तशिल्प पुरस्कार तथा भारत सरकार द्वारा जारी हस्तशिल्प पहचान पत्र से संबंधित पात्र शिल्पियों को आवेदन करने का अवसर दिया जा रहा है।

उपायुक्त उद्योग चन्द्रभान सिंह ने बताया कि जनपद के ऐसे हस्तशिल्पी, जिनके पास प्रादेशिक पुरस्कार अथवा भारत सरकार का हस्तशिल्प पहचान पत्र उपलब्ध है, वे योजना के तहत आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि चयनित शिल्पियों को न केवल सम्मान मिलेगा, बल्कि उनके उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान और बाजार उपलब्ध कराने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि इच्छुक हस्तशिल्पियों को आवेदन पत्र के साथ अपनी कलाकृतियों तथा हस्तशिल्प पहचान पत्र की छाया प्रति संलग्न कर कार्यालय में जमा करनी होगी। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 15 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। उपायुक्त उद्योग ने कहा कि मथुरा और ब्रज क्षेत्र में पारंपरिक कला, मिट्टी शिल्प, लकड़ी कारीगरी, वस्त्र कला और धार्मिक स्मृति उत्पादों की बड़ी संभावनाएं हैं। सरकार की योजनाओं का उद्देश्य स्थानीय शिल्प को बढ़ावा देकर कारीगरों की आय बढ़ाना और उन्हें राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाना है। उन्होंने जिले के अधिक से अधिक शिल्पियों से योजना का लाभ उठाने की अपील की है।

चंद्रभान सिंह

पुरस्कार योजना में करें आवेदन

निर्माणाधीन गेस्ट हाउस का नगर आयुक्त ने लिया जायजा

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। नगर आयुक्त जग प्रवेश ने वृन्दावन में निर्माणाधीन नगर निगम के गेस्ट हाउस का निरीक्षण कर कार्य की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने निर्माण में प्रयुक्त कंक्रीट क्यूब टेस्ट एवं अन्य निर्माण सामग्रियों की गुणवत्ता की समीक्षा की।नगर आयुक्त ने कार्यदायी संस्था सीएनडीएस के अधिशासी अभियंता को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य में उपयोग की जा रही सभी सामग्रियाँ पूर्णतः गुणवत्ता मानकों के अनुरूप हों तथा कार्य निर्धारित मानकों एवं समयसीमा के अंतर्गत गुणवत्तापूर्वक पूर्ण कराया जाए।

उन्होंने निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने एवं नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।निरीक्षण के दौरान नगर निगम मथुरा-वृन्दावन के मुख्य अभियंता संजय सिंह, अवर अभियंता अरुण कुमार, सीएनडीएस के अधिशासी अभियंता एवं अवर अभियंता उपस्थित थे।

वृंदावन में निर्माणधीन नगर निगम के गेस्ट हाउस का निरीक्षण करते नगर आयुक्त जगप्रवेश।

परिक्रमार्थियों की सुविधाओं को ध्यान में रख नगर आयुक्त को सौंपा पत्र

नगर आयुक्त ने पार्षदों और विभागीय अधिकारियों के साथ की बैठक

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। नगर आयुक्त जगप्रवेश ने वृन्दावन में पार्षदों एवं विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक की। पार्षद वैभव अग्रवाल ने कई बिंदुओं से सम्बंधित पत्र नगर आयुक्त को दिया। पत्र में 17 मई से 15 जून तक चलने वाले अधिक मास में परिक्रमा मार्ग में बालू की लेयर डलवाने, सुबह-शाम टैंकर से पानी से छिड़काव कराने,

बाँकेबिहारी मंदिर आने वाले मार्ग विद्यापीठ चौराहा से मंदिर एवं जुगलघाट से मंदिर आने वाले पैदल मार्ग पर कूलिंग पेवमेंट कोटिंग (कोल्ड पेंट) कराने, विद्यापीठ चौराहा, जुगलघाट एवं दाऊजी तिराहा पर लगे टीनशेड में पंखे लगवाने, असीमित ई रिक्शा की संख्या पर रोक लगाने, शासन द्वारा यातायात नियंत्रण के लिए नगर निगम में जेई यातायात, एई यातायात एवं एक्सईएन यातायात के रिक्त पड़े पदों पर नियुक्तियां कराने, नगर निगम द्वारा विद्युत विभाग को बिजलीघर बनाने के लिए राजपुर में दी गई जगह की तरह सुनरख में भी नये बिजलीघर के लिए जगह उपलब्ध कराने की मांग की गई।

पोतराकुंड क्षेत्र में चला विशेष स्वच्छता जागरूकता अभियान

यूनिक समय, मथुरा। नगर निगम मथुरा-वृंदावन द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत पोतराकुंड क्षेत्र एवं आसपास की गलियों में विशेष स्वच्छता और जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। नगर निगम की अधिकृत संस्था किंग ग्रुप की टीम ने क्षेत्र में व्यापक सफाई अभियान संचालित किया तथा स्थानीय दुकानदारों और नागरिकों को स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक किया।

किंग ग्रुप के मैनेजर दीपक गौतम ने दुकानदारों से अपने प्रतिष्ठानों के बाहर डस्टबिन रखने की अपील की, ताकि क्षेत्र की सफाई व्यवस्था बेहतर बनी रहे। साथ ही श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों से कूड़ा केवल निर्धारित डस्टबिन में डालने का अनुरोध किया गया। अभियान के दौरान स्वच्छ सर्वेक्षण के अंतर्गत नागरिकों से सिटिजन फीडबैक भी कराया गया। नगर निगम के सफाई मित्रों द्वारा पूरे शहर में लगातार विशेष सफाई अभियान चलाए जा रहे हैं, जिससे मथुरा-वृंदावन को स्वच्छ, सुंदर और बेहतर रैंकिंग वाला शहर बनाया जा सके।

ध्रुवघाट श्मशान स्थल पर विद्युत गैस शवदाह गृह का लोकार्पण

ध्रुवघाट श्मशान स्थल पर विद्युत गैस शवदाह गृह का लोकार्पण करते महापौर विनोद अग्रवाल एवं गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी आदि।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मानव जीवन में सेवा संस्कार का सर्वोत्तम कार्य है अंतिम समय में दुखी पीड़ित समाज को अच्छा व सुगम वातावरण व सुविधा देना और यह कार्य बखूबी कर रही है। ध्रुवघाट शमशान स्थल संचालन समिति के इसी कार्य को देखते हुए निगम द्वारा इस शवदाह ग्रह के संचालन की जिम्मेदारी इन्हें दी है। इस प्रकल्प से जंगल, लकड़ी, पानी व समय की बचत होगी साथ ही पर्यावरण के लिए यह अति उपयोगी है अब हम सब की जिम्मेदारी है कि हम समाज में फैली भ्रांतियां को दूर कर आम जनमानस का रुझान इस और आकर्षित करें। यह बात मुख्य अतिथि महापौर विनोद अग्रवाल ने विद्युत गैस शवदाह गृह के लोकार्पण अवसर पर कही। ठाकुर जी की प्रतिमा के समक्ष दीप जलाकर मुख्य अतिथि महापौर विनोद अग्रवाल, कार्यक्रम अध्यक्ष गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी, समिति संरक्षक धनेश मित्तल, शशिभानु गर्ग, अध्यक्ष डॉ. अशोक अग्रवाल, मंत्री उमेश अग्रवाल एवं प्रकल्प प्रभारी महेश अग्रवाल ने इस शवदाग ग्रह का लोकार्पण किया। समिति के अध्यक्ष डॉ. अशोक अग्रवाल, मंत्री उमेश अग्रवाल एडवोकेट, कोषाध्यक्ष राजेश मित्तल व शवदाह गृह के संयोजक महेश अग्रवाल ने अतिथियों को बुके व स्मृति चिन्ह भेंट किये। समिति के संरक्षक शशिभानु गर्ग ने बताया कि गत एक माह में लगभग 30 शवों का संस्कार अब तक यहां पर हो चुका है।

इस अवसर पर पराग गुप्ता, मनोहर लाल कंबल वाले, पार्षद सुभाष यादव, संतोष पाठक, नवीन मित्तल, योगेंद्र गोयल, कैलाश सिल्कग्रीन, सोमेश अग्रवाल, सतीश अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, योगेश यादव, गोपाल दास अग्रवाल, विजय बहादुर सिंह, डॉक्टर संजय अग्रवाल तथा संदीप अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

तापमान / मौसम

38 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

26 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना
24 कैरेट 1,54,120
22 कैरेट 1,41,790
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी
2,75,380 प्रति किलो

यूनिक समय
स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

अनियंत्रित स्कार्पियो में ट्रक से टकराने पर लगी आग

पुलिस ने जलती कार से तीन लोगों को सुरक्षित निकाला

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैंत इलाके में दिल्ली-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर चौमुहां के समीप बीती रात तेज रफ्तार स्कार्पियो आगे चलते ट्रक में पीछे से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कार्पियो में तुरंत आग लग गई। पुलिस ने जलती गाड़ी से तीन लोगों को घायलावस्था में निकाल कर हॉस्पिटल में भर्ती कराया है।

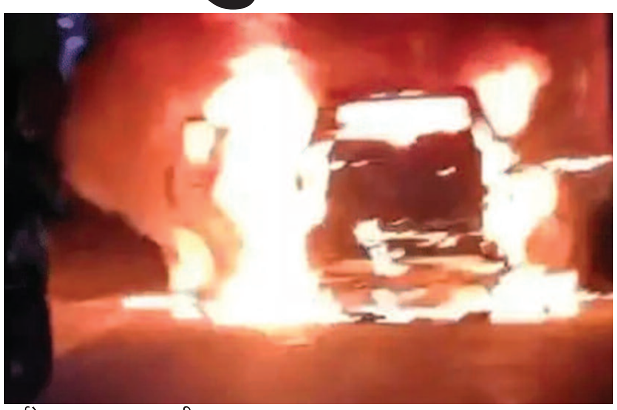
हाईवे पर धू–धू कर जलती कार।

फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंच कार में लगी आग को बुझाया

केडी हॉस्पिटल में पुलिस ने दो किशोरी व एक किशोर को कराया भर्ती

बताया गया की बीती रात करीब डेढ़ बजे राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर थाना जैंत के चौमुहां केएफसी के समीप तेज रफ्तार से दौड़ती स्कार्पियो कार सामने चल रहे बंद बॉडी के ट्रक में पीछे से तेज आवाज के साथ टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कार्पियो ने तुरंत आग पकड़ ली। दुर्घटना के दौरान तेज अवाज को सुनकर लोग मौके पर पहुंचे। जैंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची जैंत पुलिस ने वहां मौजूद लोगों के सहयोग से जलती स्कार्पियो से तीन लोगों को घायलावस्था में निकाल कर केडी मेडिकल हॉस्पिटल में भर्ती कराया है। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने स्कार्पियो में लगी आग को बुझाया। इसके चलते काफी समय तक हाईवे पर वाहनों के पहिए थम गए। जली कार को हटवाने के बाद मार्ग को यातायात के लिए सुचारू किया गया। इस बारे में थाना प्रभारी जैंत सोनू कुमार ने बताया कि जलती कार से निकाले गए घायलों में भरतपुर की रहने वाली कशिश (20) हाथरस की रहने वाली पलक (19) और मेवात के नूंह कपीश तनवर (21) हैं। इन तीनों को काफी चोटे आई हैं। घायलों के परिवार के लोगों को भी सूचना दे दी गई।

बहू के मायके वालों ने ससुरालीजनों को पीटा

यूनिक समय, फरह। थाना क्षेत्र के गांव मखदूम में बहू के मायके वालों ने ससुरालीजनों को पीट दिया। मामले में जेवरात और नकदी ले जाने, मारपीट करने का मुकदमा दर्ज कराया गया है।

गांव मखदूम निवासी गुलाब ने थाने में दर्ज कराए गए मुकदमे में बताया है कि उसने 2019 में बेटे दीपू की शादी थाना क्षेत्र के गांव किराई शहजादपुर निवासी बनवारी की बेटी मधु से बिना दहेज लिए की थी। शादी के बाद से बहू मधु स्वयं और अपने मायके वालों को बुलाकर ससुरालीजनों से आए दिन झगड़ा करती थी। कई बार समाज के लोगों ने इस मामले में राजीनामा भी कराया। गुलाब ने बताया कि 10 मई की सुबह योजना के तहत बहू मधु ने घर में रखे जेवर और 15 हजार रुपये नकद बैग में रख लिए और मायके फोन कर दिया। कुछ देर में मधु के पिता, भाई और अन्य रिश्तेदार गांव आ गए। मायके से आए लोगों ने उसे और उसकी पत्नी को जमीन पर गिराकर पीटा। आसपास के लोग आ गए तो मायके वाले बहू को लेकर चले गए। प्रभारी निरीक्षक छोटेलाल ने बताया कि प्रकरण में बनवारी, प्रेमपाल, रूपकिशोर, सोनू, लक्ष्मी, नीतू और मुकेश, दिनेश के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच करवाई जा रही है।

आबकारी विभाग को मिली बड़ी कामयाबी

अप्रैल माह में सात लोगों को भेजा जेल

यूनिक समय, मथुरा। आबकारी विभाग द्वारा जनपद में अवैध शराब की बिक्री और तस्करी को रोकने के लिए चलाए गए अभियान में बड़ी सफलता हाथ लगी है। 58 मामलों में तीन हजार 265 लीटर शराब बरामद कर सात वाहन पकड़ कर सात लोगों को जेल भेजा है।

छह वाहन किए जब्त 3,265 लीटर शराब बरामद

18 शराब की दुकानों पर की चेकिंग

आबकारी अधिकारी ने 18 शराब की दुकानों में मिली अनियमित्ताओं के लिए दुकानदारों को जारी किए तथा नोटिस मांगा जवाब। इन मामलों में दुकानदारों पर 50 हजार रुपये तक का जुर्माना भी हो सकता है

इस बारे में सहायक आयुक्त आबकारी उपेंद्र कुमार ने बताया कि आबकारी विभाग की टीमों ने अप्रैल माह में जनपद में अवैध शराब का धंधा करने वालों और हरियाणा से तस्करी कर लाई जा रही अवैध शराब माफिया के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई की है। कार्रवाई में विभाग ने 58 छापेमारी की कार्रवाई कर तीन हजार 265 लीटर अंग्रेजी व देशी शराब बरामद की है। बरामद शराब की कीमत लाखों रुपये है। विभाग ने सात लोगों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई कर सात लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। विभाग ने चेकिंग के दौरान शराब लेजाने वोले छह वाहनों को भी पकड़ा है। शराब माफिया को शराब तस्करों के खिलाफ आबकारी विभाग की टीमें लगातार चेकिंग अभियान चला रही है।

हरियाणा से होने वाली अंग्रेजी व देशी शराब की तस्करी की रोकने के लिए टीमे लगातार चेकिंग कर रही है। इसके साथ ही यमुना एक्सप्रेस वे पर भी शराब तस्करी करने वालों के खिलाफ चेकिंग अभियान जारी है।

गोवर्धन चौराहे पर महिला बच्ची के साथ नाले में गिरी

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन चौराहा के समीप तीन साल की बच्ची को लेकर महिला टहलते समय गहरे नाले में गिर गई। शोर मचाने पर स्थानीय लोगों और चौकी कृष्णानगर की पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद महिला और बच्ची को गहरे नाले से निकाला।

बताया गया कि गोवर्धन चौराहा के समीप कृष्णा विहार कालोनी की रहने वाली शालू सोनी अपनी तीन साल की बच्ची को गोद में लेकर टहल रही थी। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने पर महिला और बच्ची नाले में जा गिरीं। महिला ने बचाव के लिए शोर मचाया। महिला को नाले में गिरते देख लोगों ने तुरंत उसे बचाने के प्रयास किए, चौकी कृष्णानगर को भी महिला और बच्ची के नाले में गिरने का सूचना दी। चौकी प्रभारी तुरंत पुलिसकर्मियों के साथ

टहलते समय संतुलन बिगड़ने पर हुआ हादसा

पुलिस और स्थानीय लोगों ने महिला और बच्ची को निकाला

मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद स्थानीय लोगों के सहयोग से नाले में गिरी महिला और उसकी बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

नाले में गिरने से बच्ची को मामूली चोट आई। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर थोड़ी देर और हो जाती तो एक बड़ा हादसा हो सकता था। स्थानीय लोगों और पुलिस की सतर्कता के चलते हादसा टल गया।

फरह में प्रभारी शिक्षक और साथी शिक्षकों पर मुकदमा दर्ज

यूनिक समय, फरह। थाना क्षेत्र के गांव गढ़ाया में संचालित प्राथमिक विद्यालय इन दिनों चर्चा का केंद्र बना हुआ है। प्रभारी शिक्षक की ओर से दर्ज कराए गए मुकदमे के बाद अब शिक्षिका ने भी मुकदमा दर्ज कराया है। प्रभारी शिक्षक और अन्य शिक्षकों पर अभद्रता और अपमानित करने का आरोप लगाया है।

गांव गढ़ाया निवासी रामनिवास की ओर से सीओ रिफाइनरी के आदेश पर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। बताया है कि उसकी पत्नी पूनम पाराशर गांवमें संचालित प्राथमिक विद्यालय में ही सहायक शिक्षिका के पद पर कार्यरत है। विद्यालय में तैनात प्रभारी शिक्षक हरी सिंह, सहायक शिक्षक मनोज, पुष्पलता दूर से आने की वजह से देरी से आते हैं और समय पर आने की उपस्थिति दर्ज करते हैं। इस बात का विरोध करने पर प्रभारी शिक्षक हरी सिंह ने पत्नी पूनम से अभद्र व्यवहार किया। पाठशाला में तैनात अन्य शिक्षक मनोज कुमार, पुष्पलता ने भी हाजिरी समय से लगाने का विरोध करने पर पत्नी से खराब व्यवहार किया। इसकी शिकायत पत्नी ने लिखित में खंड शिक्षा अधिकारी विनय प्रताप सिंह से की तो प्रभारी शिक्षक हरी सिंह नाराज हो गया।

खेत पर पानी लगाने गए युवक की दुर्घटना में मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना राया क्षेत्र स्थित गांव बिसावली के समीप खेत पर पानी लगाने गये एक युवक को अज्ञात वाहन ने रौंद दिया। दुर्घटना में घायल को युवक को अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। गांव बिसावली निवासी कान्हा (25) पुत्र गोपाल सिंह का खेत सड़क के किनारे है। बताया गया कि कान्हा खेत में पानी लगाने के लिए गया था।

खेत में पानी लगाने के दौरान वह किसी काम से सड़क के किनारे खड़ा हो गया। इसी बीच तेज गति से आते अज्ञात वाहन ने उसे रौंद दिया। दुर्घटना का पता लगने पर आस पास के लोगों

सड़क पर खड़े युवक को अज्ञात वाहन ने रौंदा

ने शोर मचाया। कुछ ही देर में काफी संख्या में लोग एकत्रित हो गए। किसी ने कान्हा के भाई पप्पू को भी दुर्घटना के बारे में जानकारी दी। मौके पर पहुंचे परिवार के लोग घायल कान्हा को अस्पताल ले जा रहे थे कि रास्ते में उसकी मौत हो गई।

युवक की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस को भी इस बारे में पता लगा मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

लंबित कार्यों को निपटाने में जुटे ग्राम प्रधान

ग्राम प्रधानों को सताने लगी कुर्सी जाने की चिंता

यूनिक समय, मथुरा। जिले की 495 ग्राम पंचायतों का कार्यकाल समाप्त होने में अब कुछ ही दिन शेष रह गए हैं। 26 मई को वर्तमान ग्राम प्रधानों का पांच वर्षीय कार्यकाल पूरा हो जाएगा। मौजूदा वर्तमान प्रधान भी लंबित विकास कार्यों को तेजी से पूरा कराने में जुट गए हैं।

वर्तमान ग्राम प्रधानों का शपथ ग्रहण 26 मई 2021 को हुआ था, जबकि 27 मई को ग्राम पंचायतों की पहली बैठक आयोजित की गई थी। पंचायतीराज अधिनियम के अनुसार पहली बैठक की तिथि से पंचायतों का कार्यकाल पांच वर्ष होता है।

26 मई को ग्रामों की छोटी सरकार का कार्यकाल हो जाएगा पूरा

भुगतान और अभिलेख संबंधी प्रक्रियाएं भी निपटाने का काम जोरों पर

ऐसे में अब पंचायतों का कार्यकाल समाप्ति की ओर है। कार्यकाल समाप्ति नजदीक आते ही गांवों में विकास कार्यों को अंतिम रूप देने की कवायद तेज हो गई है। कई ग्राम प्रधान नाली, खड़ंजा, इंटरलॉकिंग, स्ट्रीट लाइट, सफाई व्यवस्था और पंचायत भवन से जुड़े कार्यों को जल्द पूरा कराने में लगे हैं। भुगतान और अभिलेख संबंधी प्रक्रियाएं भी निपटाई जा रही हैं।

उधर, प्रदेश में पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन देरी से होने की वजह से पंचायत चुनाव टलने के आसार हैं। वहीं, कार्यकाल समाप्त होने के बाद पंचायतों के संचालन के लिए प्रशासक नियुक्त किए जाने की तैयारी भी शुरू हो गई है। पंचायतों का कार्यकाल समाप्ति की ओर बढ़ने के साथ ही संभावित चुनाव को लेकर गांवों में दावेदारों की सक्रियता भी बढ़ने लगी है।

यह है प्रशासक नियुक्त करने की प्रक्रिया

ग्राम पंचायतों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद शासन स्तर से पंचायतों को भंग मान लिया जाता है। इसके बाद पंचायतों के संचालन और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए सहायक विकास अधिकारी या अन्य सरकारी अधिकारी को प्रशासक नियुक्त किया जाता है। नई पंचायतों के गठन तक वही वित्तीय और प्रशासनिक जिम्मेदारियां संभालते हैं।

किसानों ने कलेक्ट्रेट पर दिया धरना

भाकियू अराजनैतिक ने पानी, बिजली, खाद आदि की समस्याएं उठाईं

डीएम को दिया ज्ञापन, निदान नहीं होने पर दी आंदोलन की चेतावनी

किसानों की समस्याओं के निदान की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट में बैठक करते भाकियू अराजनैतिक के पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। सोमवार को भाकियू अराजनैतिक गुट के पदाधिकारियों ने किसानों की समस्याओं को लेकर कलेक्ट्रेट में धरना-प्रदर्शन किया। नहरों में पानी, खाद की उपलब्धता और बिजली आदि समस्याओं का निदान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी देते हुए डीएम को ज्ञापन सौंपा।

दोपहर को बड़ी संख्या में किसानों के साथ आए संगठन के पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट में डीएम कार्यालय के सामने सड़क पर धरना दिया। प्रदर्शन करते हुए पदाधिकारियों ने कहा कि सरकार को सरकारी आलू की खरीद 15 हजार प्रति यूनिट करनी चाहिए, शीतगृहों का किराया भी नियंत्रित करना चाहिए। गन्ने का मूल्य बढ़ाते हुए तत्काल- चरणबद्ध भुगतान करवाना चाहिए। अतिवृष्टि और ओलावृष्टि का मुआवजा दिजाले हुए पुनः सर्वे कर वास्तविक नुकसान का आकंलन कराना चाहिए।

संगठन के जिलाध्यक्ष सोनवीर सिंह ने कहा कि फसलों की सिंचाई के लिए तय समयानुसार बिजली आपूर्ति करानी चाहिए। नहरों में सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो और सरकारी ट्यूबवेलों को सक्रिय करना चाहिए। उर्वरक की व्यवस्था करते हुए इसकी कालाबाजारी पर अंकुश लगाया जाए।

इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष चौधरी हरनाम सिंह, युवा प्रदेश अध्यक्ष दिगम्बर सिंह, मांट तहसील अध्यक्ष योगेश चौधरी, गोवर्धन तहसील अध्यक्ष राधेश्याम कुंतल, विमल प्रधान, मौनू गौतम, तेजेंद्र रघुवंशी समेत काफी किसान मौजूद रहे।

तीन दिन में पांच डिग्री बढ़ा तापमान

यूनिक समय, मथुरा। बारिश के बाद फिर से बढ़ते तापमान ने लोगों को बेहाल कर दिया है। पिछले दो दिन में अधिकतम तापमान में पांच डिग्री की बढ़ोतरी हुई है। मौसम विज्ञानी दो-तीन दिन बाद मौसम में बदलाव आने की संभावना जता रहे हैं। बुधवार को अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस रहा, जो शुक्रवार को बढ़कर 33 डिग्री सेल्सियस हो गया था। वहीं, सोमवार को पांच डिग्री बढ़कर यह 38 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

दोपहर को तेज धूप होने से बाजार और सड़कों पर लोगों की आवाजाही कम रही। पूरा दिन लोगों को चटक धूप का सामना करना पड़ा। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार का कहना है कि धूप के बीच आंशिक बादल भी छा रहे हैं। पिछले दिनों हुई बारिश के बाद किसान ज्वार, मक्का और अन्य फसलों की तैयारी में जुट गए हैं।

निमंत्रण पत्रिका के विमोचन में जुटे ब्रज के प्रबुद्धजन

निमंत्रण पत्रिका का विमोचन करते विप्र प्रबुद्धजन।

31 मई को निकलेगी भगवान परशुराम शोभायात्रा

153 ब्राह्मण बाहुल्य ग्रामों में दिया जाएगा निमंत्रण

यूनिक समय, मथुरा। भगवान परशुराम शोभायात्रा कमेटी जनपद मथुरा द्वारा महोली रोड, द्वारकापुरी राधिका विहार परिक्षेत्र में 31 मई को निकलने वाली भगवान परशुराम शोभा यात्रा की निमंत्रण पत्रिका का विमोचन प्रबुद्ध विप्रो की सानिध्य में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मंत्रोच्चारण के साथ पूर्व विधायक हुकुम चंद तिवारी, ब्रज प्रदेश अध्यक्ष पं बिहारी लाल वशिष्ठ, शोभायात्रा के मुख्य संरक्षक इं राजकुमार शर्मा, शोभायात्रा समिति के अध्यक्ष भाजपा पूर्व महानगर महामंत्री पं हरीश शर्मा, कमेटी के मुख्य संयोजक पं राजेश पाठक, स्वागत अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा (सेही वाले) ने संयुक्त रूप से किया। वरिष्ठ भाजपा नेता पं योगेश आभा, कांग्रेस के पूर्व महा नगर अध्यक्ष एमएम शर्मा, सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान के युवा अध्यक्ष पंकज शर्मा ने कहा कि 31 मई को परशुराम शोभा यात्रा बंधुत्व की भावना से निकाली जायेगी। जिसमें सभी सनातनी हिंदू जन मानस को आमंत्रित किया जाएगा। वहीं अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के बृज प्रदेश अध्यक्ष पं बिहारी लाल वशिष्ठ, महामंत्री आशीष गौतम चिंटू ने कहा कि शोभा यात्रा में सादगी प्रेम का स्वरूप दिखना चाहिए।

वहीं प्रवक्ता आशीष चतुर्वेदी, व्यवस्था प्रमुख बलराम शर्मा, स्वागत अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा ने कहा कि शोभायात्रा में पूरे ब्रजमंडल से हजारों की संख्या विप्र उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि 153 ब्राह्मण बाहुल्य ग्रामों में निमंत्रण दिए जाएंगे। कार्यक्रम का संचालन संयोजक राकेश गौड़ ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जुगेंद्र भारद्वाज, अवधेश उपाध्याय, महेंद्र दत्त आचार्य, पंकज मिश्रा, गौरी गोस्वामी, मनोज शर्मा, वीरेंद्र उपाध्याय, महेंद्र शर्मा, राकेश गौड़, कुलदीप पाठक पार्षद, राकेश पाठक, जय राम शर्मा, राजीव शर्मा, राज नारायण गौड़, लाला पहलवान, मुनेश गौतम, सतीश शर्मा, सुशील लवानिया, हरिओम शर्मा, अजय पाठक, संदीप उपाध्याय, कमल शर्मा, दिलीप शर्मा, हेमंत शर्मा आदि उपस्थित थे।

कन्या छात्रावास, औषधि उद्यान स्टूडियो का होगा लोकार्पण

गो ग्राम परखम में आयोजित होने वाले कार्यक्रम की जानकारी देते समिति के मंत्री हरीशंकर शर्मा, साथ हैं निदेशक सोनपाल, नरेंद्र पाठक, कीर्ति कुमार, डॉ. अनुराग शर्मा।

गो ग्राम परखम में 13 को डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या करेंगे विभिन्न प्रकल्पों का लोकार्पण

कन्वेशन सेंटर और स्टाफ आवास की रखी जाएगी आधारशिला, कार्यक्रम की तैयारी शुरू

यूनिक समय, फरह। डिप्टी सीएम 13 मई को गो ग्राम परखम आएंगे। इस दौरान वह गौरी भवन कन्या छात्रावास, औषधि उद्यान, पशु चिकित्सालय, स्टूडियो, बुनकर प्रशिक्षण केंद्र की मशीन का ई- लोकार्पण कर कन्वेशन सेंटर और स्टाफ आवास की आधारशिला रखेंगे। कार्यक्रम में अखिल भारतीय सह सेवा प्रमुख राजकुमार मटाले, निरंजन पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी कैलाशानन्द गिरि और कथावाचक विजय कौशल भी मौजूद रहेंगे। यह जानकारी सोमवार को दीनदयाल कामधेनु गोशाला स्थित अशोक सिंघल सभागार में समिति के मंत्री हरीशंकर ने दी।

उन्होंने बताया कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त 125 छात्राओं के लिए रहने वाले 45 कमरों के गौरी भवन कन्या छात्रावास का निर्माण हुआ है। 13 मई को दोपहर एक बजे नवधा सभागार में आयोजित ई- लोकार्पण कार्यक्रम में डिप्टी सीएम, राजकुमार मटाले, निरंजन पीठाधीश्वर डॉ. कैलाशानन्द गिरि, विजय कौशल का आशीर्वचन प्राप्त होगा। सुबह 10:30 से दोपहर 12:30 तक हवन, गृह प्रवेश और पूजन कार्यक्रम होंगे।

प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य डॉ. अनुराग शर्मा ने बताया कि पं. दीनदयाल औषधि उद्यान में विभिन्न प्रकार की औषधियों को पैदा किया जाएगा। इन औषधियों का इस्तेमाल फार्मेसी, आयुर्वेदिक दवाओं के निर्माण में किया जाएगा। पं. दीनदयाल पशु चिकित्सालय में पशुओं का आयुर्वेदिक तरीके से उपचार होगा, इसमें चिकित्सक, एम्बुलेंस, कंपाउंडर हर समय उपलब्ध रहेंगे। संघ के ब्रज प्रांत प्रचार प्रमुख कीर्ति कुमार ने बताया कि कामधेनु प्रसार केंद्र सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त आधुनिक स्टूडियो होगा। इस केंद्र पर वीडियो रिकॉर्डिंग, कॉन्फ्रेंसिंग, पॉडकास्टिंग, एजुकेशन इंटरव्यू, ऑनलाइन- ऑफलाइन कक्षाएं भी संचालित होंगी। प्रसार केंद्र का अपना ऑनलाइन चैनल रहेगा। स्मारक निदेशक सोनपाल ने बताया कि बुनकर प्रशिक्षण केंद्र में अब नवीन रैपियर मशीन लग गई है, जिससे कपड़ा बनाया जा रहा है। नरेंद्र पाठक ने बताया कि डिप्टी सीएम आधुनिक सुविधाओं से युक्त दो हजार लोगों की क्षमता के कन्वेंशन सेंटर और 50 लोगों के रहने की क्षमता के स्टाफ आवास का भी शिलान्यास करेंगे। इस दौरान मीडिया प्रमुख मुकेश शर्मा भी मौजूद रहे।

उधार की रकम मांगने पर ससुर और सालों ने पीटा

यूनिक समय, फरह। उधार की रकम मांगने से नाराज ससुर और सालों ने दामाद को पीट दिया। घटना के दौरान दामाद की मां को भी पीटा गया। प्रकरण में स्थानीय थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है। फरह थाना क्षेत्र के गांव धानाजीवना निवासी देवेंद्र ने बताया कि उसकी शादी 2019 में गांव नगला फुसिया निवासी गोपाल की पुत्री सोनम से हुई। शादी के बाद से ही सोनम का व्यवहार सही नहीं रहा। शादी के कुछ साल बाद ससुर गोपाल ने किसी काम के लिए उससे 71 हजार रुपये उधार लिए। पीड़ित ने बताया कि छह मई को उसने ससुर गोपाल से उधार में लिए गए रुपये लौटाने को कहा तो वह नाराज हो गए। इसके बाद वह दो सालों के साथ उसके घर आए, जहां गाली देने लगे। मना करने पर ससुर गोपाल, साले शैलेंद्र और रविन्द्र ने मारपीट कर दी। मारपीट की वजह से उसके और उसकी मां के काफी चोट आईं। प्रभारी निरीक्षक छोटे लाल ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

अवैध खनन पर प्रशासन ने की बड़ी कार्रवाई

जेसीबी-ट्रैक्टर और दो डंपर सीज

यूनिक समय, सुरीर, मथुरा। प्रशासन ने अवैध खनन को लेकर धार्मिक आस्था से जुड़े पवित्र भांडीरवन के आसपास चल रहे अवैध खनन पर रविवार देर रात बड़ी कार्रवाई की।

क्षेत्राधिकारी मांट संदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने नगला भूप सिंह क्षेत्र में छापेमारी कर अवैध मिट्टी खनन के कारोबार पर छापा मारा। टीम ने कार्रवाई के दौरान एक जेसीबी, एक ट्रैक्टर और दो डंपरों को कब्जे में ले लिया और सीज कर थाने में लाकर खड़ा करा दिया। प्रशासन द्वारा की गई

प्रशासन द्वारा सीज की गई जेसीबी और ट्रैक्टर।

इस कार्रवाई से खनन से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया। बताया गया कि माफिया अवैध रूप से खनन की गई मिट्टी को गांव छौंहरी की घनी आबादी के बीच से होकर ले जा रहे थे। यह

ग्रामीणों ने प्रशासन की कार्रवाई को सराहा

रास्ता विश्व प्रसिद्ध धार्मिक स्थल भांडीरवन के बेहद करीब है। यहां देर रात तक श्रद्धालुओं और ग्रामीणों की आवाजाही रहती है। भारी वाहनों की तेज रफ्तार से क्षेत्र में हर समय दुर्घटना का खतरा बना रहता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि संकरी गलियों और आबादी वाले रास्तों से गुजरते इन डंपरों के कारण लोगों में भय का माहौल था। ग्रामीणों ने प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई का स्वागत करते हुए कहा कि भांडीरवन केवल धार्मिक स्थल ही नहीं, बल्कि भगवान कान्हा की क्रीड़ा स्थली है, जिसकी पवित्रता और शांति बनाए रखना बेहद जरूरी है।

सीओ मांट संदीप कुमार सिंह ने कहा कि अवैध खनन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने चेतावनी दी कि धार्मिक स्थलों, आबादी वाले क्षेत्रों और जनसुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ आगे भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

गीतकार प्रो. सत्यवान शर्मा को ब्रज धरोहर रंग यात्रा सम्मान

गीतकार प्रो. सत्यवान को ब्रज धरोहर रंग यात्रा सम्मान से नवाजते पदाधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जागृति कला संगम ने इस वर्ष का प्रतिष्ठित ब्रज धरोहर रंग यात्रा सम्मान पुरस्कार संगीतज्ञ, संगीत शिरोमणि, सरस गीतकार प्रो. सत्यवान शर्मा को दिया। सौरभ कौशिक एवं सुश्री महिमा कौशिक ने मंगलाचरण आराधना की। कार्यक्रम के प्रारंभ में रंग यात्रा सम्मान के निदेशक रंगाचार्य लोकेंद्र नाथ कौशिक ने चरण वंदना करते हुए चरण पक्षालय किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुश्री सुधा सहगल ने की। प्रारंभ में वरिष्ठ अधिवक्ता रामसरीन, मनीष पाल, विनोद कुमार वर्मा, अवधेश शर्मा, अर्जुन सिंह, अक्षय सत्संगी ने सभी अतिथियों का सम्मानित किया। अधिवक्ता राजेंद्र केशोरैया ने ठाकुर बांके बिहारी का चित्रपट मुख्य अतिथि को भेंट की। इस मौके पर नाट्य भूषण वरिष्ठ रंगकर्मी पंडित लोकेंद्र नाथ कौशिक, जेपी शर्मा, वरिष्ठ अधिवक्ता रामसरीन, कुशल पाल शर्मा, पवन कुमार पाठक, भव्य पाल शर्मा, शशांक चतुर्वेदी, रेनू उपाध्याय, सुश्री उमा शर्मा आदि उपस्थित थे।

ट्रैफिक पुलिस ने चालकों का ड्रिंक एंड ड्राईव किया टेस्ट

एक दर्जन चालकों का किया गया चालान

ब्रेथ एनालाइजर से की गई चालकों की जांच

यूनिक समय मथुरा। सड़क सुरक्षा और दुर्घटना को रोकने के उद्देश्य से ट्रैफिक पुलिस ने सड़क पर शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर शिकंजा कसने को फरह व मांट टोल प्लाजा पर चेकिंग अभियान चलाया। एक दर्जन से अधिक शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों का चालान किया गया।

एसपी ट्रैफिर राजेश तिवारी तथा क्षेत्राधिकारी यातायात आशीष शर्मा के नेतृत्व में यातायात पुलिस और सीसी टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर फरह टोल प्लाजा और यमुना एक्सप्रेस वे पर मांट टोल प्लाजा से गुजरने वाले वाहन चालकों को रोक कर इस बात का पता लगाया कि शराब तो नहीं पी रखी है। टीम ने चालकों का ड्रिंक एंड ड्राईव

टोल प्लाजा पर एसपी ट्रैफिक राजेश तिवारी, सीओ आशीष शर्मा ट्रैफिक पुलिस के साथ वाहन चालकों का ड्रिंक एंड ड्राईव टेस्ट कराते हुए।

टेस्ट किया। इस दौरान टीम ने एक दर्जन से अधिक चालकों का शराब पीकर वाहन चलाने के मामले में चालान किए। टोल प्लाजा पर बड़ी संख्या में पुलिस और अधिकारियों को देख कर वहां से गुजरने वाले वाहन चालकों में हड़कंप मचा रहा। एसपी ट्रैफिक का कहना है कि इस तरह का अभियान आगे भी जारी रहेगा।

अतिक्रमण पर चला बुलडोजर

पुलिस की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाते बुलडोजर को देखते लोग।

यूनिक समय, बाजना। कस्बा में लंबे समय से सड़कों को घेरकर किए गए अवैध अतिक्रमण के खिलाफ आखिरकार प्रशासन का डंडा चल गया है। सोमवार को नगर पंचायत और तहसील प्रशासन की टीम ने कस्बा के मुख्य व्यापारिक मार्गों पर सघन 'अतिक्रमण हटाओ अभियान' चलाया। इस कार्रवाई से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया और देखते ही देखते संकरी हो चुकी सड़कें अपने पुराने स्वरूप में नजर आने लगीं। सड़कों पर बढ़ते अवैध कब्जे और उससे आम जनता को होने वाली परेशानियों को लेकर लगातार आवाज उठाई जा रही

मुख्य मार्गों से हटवाए गए टिन-शेड और पक्के निर्माण

थी। इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद हरकत में आए प्रशासन ने पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचकर सड़कों की पैमाइश कराई और तत्काल प्रभाव से अवैध निर्माणों को हटवा दिया। मामले को लेकर नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी ने बताया कि कस्बा के विकास और सुगम यातायात के लिए अतिक्रमण हटाना अनिवार्य हो गया था।

संगठन की मजबूती ही समाज की सबसे बड़ी शक्ति

सर्व ब्राह्मण महासभा की बैठक में मौजूद पदाधिकारी।

यूनिक समय, वृंदावन। सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता बालकृष्ण गोस्वामी के निज निवास जय गोपाल भवन पर महासभा की बैठक हुई। इसमें संगठन के विस्तार एवं आगामी गतिविधियों पर चर्चा की गई।

प्रदेश महासचिव अरविंद पंडित ने कहा कि संगठन की मजबूती ही समाज की सबसे बड़ी शक्ति है। सभी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर समाजहित में कार्य करना होगा। बैठक में सर्वसम्मति से अवधेश कुमार (बादल जी महाराज) को मंडल प्रवक्ता तथा जगदीश प्रसाद शर्मा को मंडल संरक्षक पद पर नियुक्त किया।

राधा प्रसाद धाम में स्वास्थ्य शिविर कल

यूनिक समय, वृंदावन। सर्वोदय हॉस्पिटल के विशेषज्ञ चिकित्सकों के सहयोग से परिक्रमा मार्ग स्थित राधा प्रसाद धाम में 12 मई को स्वास्थ्य शिविर लगाया जाएगा। राधा प्रसाद धाम के महंत मोहिनी बिहारी शरण महाराज ने बताया कि शिविर में हृदय रोग, हड्डी रोग और सामान्य रोगों की जांच होगी। ब्लड प्रेशर , शुगर और ईसीजी जैसी बुनियादी जांचें निःशुल्क की जाएंगी शिविर के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया सुबह से ही प्रारंभ हो जाएगी।

गोकुल में निकली परशुराम शोभायात्रा का स्वागत

यूनिक समय, गोकुल। ब्राह्मण तीर्थ पुरोहित समिति के तत्वावधान में भगवान परशुराम शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा से पहले परशुराम मंदिर बालकृष्ण बगीची पर ब्रजमंडल से आए वरिष्ठ विप्रजनों का सम्मान किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता महामंडलेश्वर आनंद दास त्यागी महाराज एवं पंकज बावा महाराज ने की। इसमें समिति अध्यक्ष जय महाराज, मंत्री जगमोहन गौड़, कोषाध्यक्ष पवन सरदार, लव जोशी ने विप्रों का सम्मान किया। संचालन समिति के संरक्षक मंडल सदस्य अमित भारद्वाज ने किया। मथुरा-वृन्दावन, गोवर्धन, बरसाना, नंदगांव महावन और बल्देव से बड़ी संख्या में सेवायत, तीर्थ पुरोहित, भागवताचार्य, विभिन्न ब्राह्मण संगठनों व धार्मिक संगठनों, जनप्रतिनिधि तथा समाजसेवी शामिल हुए।

भाजपा के प्रशिक्षण वर्ग की तैयारियों को लेकर हुआ मंथन

भाजपा के प्रशिक्षण वर्ग की तैयारियों को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ मंथन करते महानगर जिला अध्यक्ष हरिशंकर यादव राजू।

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय जनता पार्टी महानगर की बैठक में आगामी जिला प्रशिक्षण वर्ग की तैयारियों को लेकर केएम यूनिवर्सिटी पाली डूंगरा में कार्य योजना बैठक का आयोजन किया गया।

महानगर जिलाध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव के नेतृत्व में सम्पन्न हुई बैठक में प्रशिक्षण वर्ग पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 के अंतर्गत 16 एवं 17 मई को होगा। बैठक में प्रशिक्षण वर्ग की रूपरेखा, संगठनात्मक मजबूती, कार्यकर्ताओं के वैचारिक प्रशिक्षण तथा व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। महानगर जिलाध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव ने कहा कि प्रशिक्षण वर्ग संगठन की रीढ़ होते हैं। इन वर्गों के माध्यम से कार्यकर्ताओं को पार्टी की विचारधारा, संगठन की कार्यपद्धति तथा राष्ट्रहित के विषयों पर प्रशिक्षित किया जाता है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से पूर्ण समर्पण एवं

मथुरा में भाजपा का प्रशिक्षण वर्ग 16-17 मई को होगा

अनुशासन के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। वर्ग प्रभारी यादवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि 16 मई को वरिष्ठ नेताओं द्वारा प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन किया जाएगा। महानगर उपाध्यक्ष रामकिशन पाठक ने बताया कि शिविर स्थल पर पंजीकरण, आवास, भोजन एवं प्रशिक्षण सत्रों की व्यवस्थाओं के लिए समितियों का गठन कर रूपरेखा तैयार कर ली गई है। जिला महामंत्री कुंज बिहारी चतुर्वेदी ने कहा कि यह प्रशिक्षण शिविर 2029 के लोकसभा चुनाव की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। जिला मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा ने बताया कि दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग में मंडल पदाधिकारी, मोर्चा एवं प्रकोष्ठ संयोजक तथा बूथ अध्यक्ष स्तर तक के लगभग 200 अपेक्षित कार्यकर्ता भाग लेंगे।

राजीव एकेडमी के तीन छात्रों ने भरी करियर की ऊंची उड़ान

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर फार्मेसी के तीन छात्रों ने अपनी मेधा और कौशल से शानदार करियर उड़ान भरकर न केवल अपने सपनों को साकार किया है बल्कि संस्थान का भी गौरव बढ़ाया है। बीफार्मा चतुर्थ वर्ष के छात्र लव ठाकुर तथा शांतनु चतुर्वेदी को प्रतिष्ठित कम्पनी डॉक्यूस्फायर रिसर्च सर्विसेज तथा अभिमन्यु चौरसिया को सन फार्मा लिमिटेड में उच्च पैकेज पर सेवा का अवसर मिला है। छात्रों की इस उपलब्धि से संस्थान में हर्ष का वातावरण है।

जानकारी के अनुसार हाल ही में डॉक्यूस्फायर रिसर्च सर्विसेज के पदाधिकारियों प्रिया सिंह, लोकेश राजपूत तथा राज बंधु गौतम ने कॉलेज परिसर में आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में छात्रों का लिखित और बौद्धिक मूल्यांकन करने के बाद लव ठाकुर तथा शांतनु चतुर्वेदी को कम्पनी में रिसर्च एसोसिएट के पद पर चयनित किया। इसी तरह देश की अग्रणी फार्मास्युटिकल कम्पनी सन फार्मा लिमिटेड ने अभिमन्यु चौरसिया का उच्च पैकेज पर प्रोडक्शन ऑफिसर

संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) हिमांशु चोपड़ा के साथ डॉक्यूस्फायर रिसर्च सर्विसेज में चयनित छात्र।

के पद पर चयन किया। तीनों चयनित छात्रों ने अपनी इस सफलता का श्रेय संस्थान की उच्चस्तरीय शिक्षा प्रणाली तथा प्लेसमेंट ऑफिसर सौम्यदीप मुखर्जी तथा मनु शर्मा के कुशल मार्गदर्शन को दिया है। आरके एज्युकेशनल हब के अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, प्रबंध निदेश मनोज अग्रवाल तथा संस्थान के निदेशक प्रो. (डॉ.) हिमांशु चोपड़ा ने तीनों छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने अपने संदेश में कहा कि यह सफलता तीनों छात्रों की कड़ी मेहनत, लगन और उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन का नतीजा है। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि जो छात्र मेहनत करेगा तथा अपने उद्देश्यों से भटकेगा नहीं उसे हर क्षेत्र में सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि फार्मेसी का क्षेत्र स्वास्थ्य सेवा में करियर के लिए सबसे स्थिर और तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक है। युवा डी. फार्मा, बी. फार्मा और एम. फार्मा के बाद अपने देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी करियर संवार सकते हैं।

डॉक्यूस्फायर रिसर्च सर्विसेज और सन फार्मा लिमिटेड में उच्च पैकेज पर चयन

निदेशक प्रो. (डॉ.) हिमांशु चोपड़ा ने कहा कि तीनों छात्रों की यह उपलब्धि संस्थान के लिए गर्व का विषय है तथा अन्य विद्यार्थियों को भी इससे प्रेरणा मिलेगी। प्रो. चोपड़ा ने कहा कि राजीव एकेडमी फॉर फार्मेसी को लगातार मिल रही उपलब्धियां अच्छे शैक्षिक वातावरण से ही सम्भव हो रही हैं। उन्होंने कहा कि करियर में सफलता के लिए सबसे जरूरी है सही समय पर सही स्किल्स का इस्तेमाल। छात्र किताबी ज्ञान के साथ ही अच्छी कम्युनिकेशन स्किल से अपने करियर को उच्चर स्तर तक ले जा सकते हैं। प्रो. चोपड़ा ने कहा कि छात्र अपने कौशल में जितना इजाफा करेंगे तरक्की की राह उतना ही सुगम होगी। संस्थान के शिक्षकों ने भी चयनित छात्रों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी।

बरसाना प्रकरण: अधिवक्ता के पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज

चेयरमैन की पत्नी सहित 44 को भेजा जेल

यूनिक समय, मथुरा। बरसाना में पेट्रोल पंप संचालक व अधिवक्ता दिवाकर शर्मा का अपहरण और बंधक बना कर मारपीट के मामले में पुलिस ने पिता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर 44 लोगों को जेल भेज दिया है। घटना के विरोध में व्यापारियों ने बाजार बंद कर दिया। इसके साथ ही एक महापंचायत भी आयोजित की गई।

सोमवार को वकील और पेट्रोल पंप संचालक दिवाकर शर्मा के साथ चेयरमैन और उसके लोगों द्वारा की

घटना के विरोध में व्यापारियों ने किया बाजार बंद

घटना को लेकर बरसाना में हुई महा पंचायत

गई मारपीट का मामले तूल पकड़ लिया। घटना के विरोध में कस्बे के व्यापारियों ने दोपहर में बाजार बंद रखकर कर आक्रोश जाहिर किया। वहीं दूसरी ओर सर्व समाज और व्यापारी संगठनों ने शाम पांच बजे महापंचायत बुलाने का ऐलान किया था। पचांयत में इस बात की संभावना है कि घटना करने वालों पर कड़ी कार्रवाई और पीड़ित परिवार को सुरक्षा देने की मांग उठाई जाएगी। रविवार को हुई घटना के बाद पूरे कस्बे में तनाव का माहौल बना रहा। व्यापारियों ने कहा कि आरोपितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। गौरतलब है कि रविवार शाम भूमि और रास्ते के विवाद को लेकर पूर्व चेयरमैन बलराज चौधरी के गुर्गों ने परमार रिसोर्ट के पास दिवाकर शर्मा का रिवाल्वर की नोक पर अपहरण कर लिया और उन्हें छाता रोड स्थित मकान में बंधक बनाकर लाठी–डंडों से मारपीट की। पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद अधिवक्ता को मुक्त कराया था। समाचार लिखे जाने तक पंचायत चल रही थी। इस लिए पंचायत में किया निर्णय लिया गया इसकी जानकारी नहीं हो सकी है।

डकैती की साजिश रचते दो गिरफ्तार

यूनिक समय, नौहझील। नौहझील पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे जीरो टॉलरेंस अभियान के दौरान डकैती की साजिश रच रहे दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से दो तमंचा, कारतूस और बाइक बरामद की है।

थाना नौहझील थाना प्रभारी जगदम्बा सिंह ने बताया कि पुलिस की गश्ती टीम रविवार देर रात माइलस्टोन संख्या 68 के समीप एक खाली प्लॉट के समीप से गुजर रही थी। वहां छिप कर लूट की साजिश रचते मिली। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर वहां छापेमारी की। पकड़े गए अभियुक्तों में मुन्ना निवासी रायपुर बांगर और सुमित निवासी पैगांव हैं। तलाशी के दौरान दोनों बदमाशों के पास से 315 बोर के दो तमंचे, चार कारतूस और नकदी के

तमंचा और कारतूस, लूट के औजार, बाइक बरामद

अलावा चौरी करने के औजार भी बरामद हुए हैं। पकड़े गए दोनों आरोपियों का पुराना आपराधिक इतिहास भी है। अभियुक्त पूर्व में दर्ज संगीन मुकदमों में वांछित चल रहे थे। दोनों अभियुक्त किसी बड़ी डकैती या चोरी की फिराक में थे। पुलिस ने इनके खिलाफ आर्म्स एक्ट और लूट की योजना बनाने के तहत मुकदमा दर्ज कर उन्हें कोर्ट में पेश किया।

गिरफ्तार करने वाली टीम में इंस्पेक्टर क्राइम विवेक कुमार, उपनिरीक्षक हरेन्द्र सिंह, उपनिरीक्षक रोहित सिंह, उपनिरीक्षक रजत गर्ग और पुलिस टीम है।

स्पोर्ट्स कॉलेजों में प्रवेश के लिए आवेदन शुरू

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश स्पोर्ट्स कॉलेज सोसाइटी, लखनऊ के अधीन संचालित गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज, बीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज, मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स कॉलेज एवं स्पोर्ट्स कॉलेज सहारनपुर में सत्र 2026–27 के लिए कक्षा 6, 9 एवं 11 में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। कक्षा 6 में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी की आयु 1 अप्रैल को 9 से 12 वर्ष के बीच होनी चाहिए। अभ्यर्थी की जन्मतिथि 1 अप्रैल 2014 से 31 मार्च 2017 के मध्य होना अनिवार्य है। इसी प्रकार कक्षा 9 के लिए आयु 12 से 15 वर्ष तथा जन्मतिथि 1 अप्रैल 2011 से 31 मार्च 2014 के मध्य होनी चाहिए। कक्षा 11 के लिए आयु 15 से 17 वर्ष तथा जन्मतिथि 1 अप्रैल 2009 से 31 मार्च 2011 के बीच निर्धारित की गई है। आवेदन करने वाला अभ्यर्थी उत्तर प्रदेश का मूल निवासी होना आवश्यक है। प्रवेश प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाइन होगी। इच्छुक अभ्यर्थी स्पोर्ट्स कॉलेज लखनऊ वेबसाइट

21 मई से आगरा में होंगे चयन ट्रायल

कक्षा 6, 9 और 11 में प्रवेश को ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया जारी

अथवा खेल साथी पोर्टल पर जाकर "स्पोर्ट्स कॉलेज प्रवेश" लिंक के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन शुल्क 200 रुपये निर्धारित किया गया है। आवेदन पत्र में यू–डाइस पोर्टल द्वारा जारी स्थायी शिक्षा संख्या भरना अनिवार्य होगा। बिना स्थायी शिक्षा संख्या के आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। चयन ट्रायल में हॉकी, जूडो, वॉलीबॉल, जिम्नास्टिक, कुश्ती, बैडमिंटन, क्रिकेट, फुटबॉल, एथलेटिक्स, कबड्डी, तैराकी, हैंडबॉल एवं भारोत्तोलन प्रतियोगिताएं शामिल रहेंगी। यह जानकारी क्रीड़ा अधिकारी मथुरा राकेश कुमार यादव द्वारा दी गई है।

विवादित भूमि पर कब्जे का प्रयास, पीड़ित ने लगाई गुहार

यूनिक समय, नौगांव (मथुरा)। तहसील छाता क्षेत्र के गांव नौगांव में 16 बिस्वा जमीन पर चल रहा सिविल विवाद उस समय गरमा गया, जब पीड़ित पक्ष ने स्थानीय अधिकारियों और दबंगों पर जबरन बाउंड्री वॉल निर्माण कराने का गंभीर आरोप लगाया। पीड़ित महेंद्र सिंह का कहना है कि मामला न्यायालय में विचाराधीन होने के बावजूद बाहरी लोग और प्रशासन उसकी जमीन को कब्जाने की साजिश रच रहा है।पीड़ित द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, गांव नौगांव स्थित 16 बिस्वा जमीन काफी समय से 'सिविल' कोर्ट में विचाराधीन है। नियमानुसार, जब तक न्यायालय का अंतिम फैसला नहीं आ जाता, तब तक विवादित जमीन की यथास्थिति बनाए रखनी होती है। उसके बाद भी राजस्व टीम पहुंचती है। अधिकारियों की मौजूदगी में निर्माण कार्य शुरू कराने की कोशिश की गई, जो सीधे तौर पर कानून का उल्लंघन है। "जब मामला कोर्ट में चल रहा है तो प्रशासन किसके आदेश पर वहां बाउंड्री कराने पहुंच रहा है? यह सीधे तौर पर गरीबों की जमीन हड़पने की कोशिश है।" पीड़ित ने शासन–प्रशासन के उच्चाधिकारियों से इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। पीड़ित का कहना है कि यदि विवादित जमीन पर जबरन निर्माण कार्य करवाया गया तो वह मुख्यमंत्री और उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे।

शहरी और कस्बा की दुकानों में कब आग लग जाए पता नहीं

बाजारों में फायर सिस्टम के प्रति व्यापारी उदासीन

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। शहरी और कस्बा की दुकानों में आए दिन आग लगने की खबर सुनाई देती है। व्यापारी का लाखों रुपये का माल जलकर खाक हो जाता है। लेकिन हैरान करने वाली बात तो यह है कि अभी तक शॉर्ट सर्किट के अलावा कोई और वजह सामने नहीं आई है और न ही अग्नि शमन विभाग के अधिकारियों ने गहराई में जाने की कोशिश की कि आखिर दुकानों में लगने की सबसे बड़ी वजह क्या है।

जिले के मथुरा, गोवर्धन, कोसीकलां, बल्देव, फरह, वृंदावन समेत अन्य इलाकों में पिछले दिनों आग लगने की घटनाएं हुईं। पीड़ित व्यापारियों ने कहा था कि वह तो

अब तक दुकानों में लगी आग से करोड़ों का नुकसान

रात के वक्त प्रतिष्ठानों को बंद करने के बाद विद्युत आपूर्ति की लाइन को ऑफ करके गए थे। फिर आग कैसे लग गई। समझ नहीं आ रहा है। आग लगने की घटना वाले स्थानों पर लगे सीसीटीवी फुटेजों को कभी खंगालने की जरूरत नहीं समझी गई। किसी भी घटना की असलियत सामने आए। प्रश्न यह उठता है कि जब व्यापारी सभी लाइनों के स्विचों को आफ करने गया तो फिर शॉर्ट सर्किट की बात गले नहीं उतरती है। दाल में कुछ न कुछ काला नजर आता है। आखिर भयावह आग लगने के पीछे का क्या माजरा है। आग की चिंगारी के बारे में प्रारंभ में कुछ पता नहीं चलता, लेकिन भयावहता का रूप धारण करने के बाद पता लगता है, उस समय तक तो सब कुछ खाक हो जाता है। कई व्यापारियों ने यह भी माना कि बाजारों में आग को काबू करने के लिए कोई उपाय नहीं है। बड़ी बड़ी दुकानों में लाखों–करोड़ों रुपये का माल है, लेकिन फायर सिस्टम लगाने का विचार किसी के मन में नहीं है।

पान मसाले की दुकान में आग से नुकसान

यूनिक समय, मथुरा। आर्य समाज रोड स्थित रेलवे क्रॉसिंग के पास रात को एक बंद दुकान में आग लगने से खलबली मच गई। घटना अश्वनी सिंह की पान मसाले की दुकान की है। प्रारंभ में शॉर्ट सर्किट से ही आग लगने की आशंका जाहिर की गई। आग से दुकान के अंदर रखा हजारों रुपये का कीमती सामान और फर्नीचर जलकर पूरी तरह राख हो गया। शनिवार की रात को दुकान बंद थी। आसपास के लोगों ने शटर के भीतर से धुआं और आग की लपटें निकलती देखीं। देखते ही देखते मौके पर भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना दुकान स्वामी अश्वनी सिंह को दी। वह मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने तत्परता दिखाते हुए आग को बुझाया। आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि दुकान में रखा सारा स्टॉक और कीमती फर्नीचर जल चुका था।

बिना अनुमति किसी का नंबर गारंटर में लगाया तो होगी सख्त कार्रवाई

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में शिक्षकों और शिक्षा विभाग के कर्मचारियों द्वारा बैंक ऋण एवं निजी वित्तीय लाभ लेने के दौरान अधिकारियों के मोबाइल नंबर को बिना अनुमति गारंटर अथवा संदर्भदाता के रूप में इस्तेमाल करने के मामलों को लेकर बेसिक शिक्षा विभाग ने सख्त रुख अपनाया है। इस संबंध में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने सख्त निर्देश जारी किए गए हैं।

कहा गया है कि कुछ शिक्षक एवं कर्मचारी विभिन्न बैंकों और वित्तीय संस्थाओं से व्यक्तिगत ऋण प्राप्त करने के लिए आवेदन पत्रों में अधिकारियों के सीयूजी नंबर और संपर्क विवरण को बिना पूर्व अनुमति के द्वितीय गवाह, संदर्भदाता अथवा गारंटर के रूप में अंकित कर रहे हैं। इससे कार्यालय स्तर पर अनावश्यक कॉल, प्रशासनिक असुविधा और विभागीय कार्यों में बाधा उत्पन्न हो रही है। विभाग ने इसे गंभीर कदाचार की श्रेणी में माना है। भविष्य में यदि किसी शिक्षक अथवा कर्मचारी द्वारा बैंक, वित्तीय संस्था या

बैंक लोन के लिए बिना अनुमति अधिकारियों को गारंटर दिखाना पड़ेगा भारी

लोन गारंटी में अधिकारियों के नंबर इस्तेमाल पर बेसिक शिक्षा विभाग सख्त

ऋणदाता के समक्ष किसी अधिकारी का नंबर गारंटर या संदर्भदाता के रूप में प्रयोग किया जाता पाया गया तो संबंधित कर्मचारी के खिलाफ विभागीय एवं विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने सभी शिक्षकों और कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि वे किसी भी परिस्थिति में बिना अनुमति किसी अधिकारी के सीयूजी नंबर अथवा संपर्क विवरण का उपयोग ऋण संबंधी दस्तावेजों में न करें।

संत जैन मुनि पुलक सागर का मनाया गया अवतरण दिवस

राष्ट्रीय जैन महिला जाग्रती मंच की महिला प्रसाद वितरित करते हुए।

यूनिक समय, मथुरा। पुलक सागर अपने ओजस्वी एवं मनोज्ञ प्रवचन शैली के कारण देश ही नहीं बल्कि विश्वभर में प्रसिद्ध हैं। आज उनका अवतरण दिवस संपूर्ण जैन समाज द्वारा श्रद्धा, उत्साह और सेवा भाव के साथ मनाया गया। विभिन्न शहरों में जरूरतमंद लोगों को दैनिक उपयोग की वस्तुएं वितरित कर तथा दान–पुण्य के माध्यम से इस विशेष दिवस को मनाया गया। अखिल भारतीय पुलक जन चेतना मंच एवं अखिल भारतीय महिला जागृति मंच के तत्वावधान में भी कई सेवा कार्य आयोजित किए गए। दोनों मंचों का संचालन जैन मुनि पुलक सागर गुरुदेव के मार्गदर्शन में किया जाता है। ये संगठन धर्म, देश, मानव सेवा तथा निराश्रित पशुओं की सेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम में 1008 श्री चंद जैन समाज के अध्यक्ष अशोक जैन छाबड़ा, मुकेश जैन एवं मयंक जैन छाबड़ा ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

महाराणा प्रताप की जयंती पर निकाली शोभायात्रा

यूनिक समय, गोवर्धन। महाराणा प्रताप की जयंती के उपलक्ष्य में ग्राम पंचायत जानू में भव्य शोभायात्रा रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व पूर्व ग्राम प्रधान मोहन श्याम शर्मा व सर्व समाज के ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और महाराणा प्रताप के शौर्य एवं बलिदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। रैली में डीजे, बैंड–बाजों, ढोल–ताशों और देशभक्ति व धार्मिक भजनों की धुनों पर लोगों ने उत्साह के साथ

शोभायात्रा में शामिल झांकियों ने मोहा मन

सहभागिता की। शोभायात्रा में भगवान गणेश, शिव–पार्वती, दुर्गा माता, राम दरबार, राधा–कृष्ण तथा महाराणा प्रताप की आकर्षक झांकियां लोगों के आकर्षण का केंद्र रहीं। कार्यक्रम के दौरान गोरिल्ला डांस और घोड़ा डांस ने भी लोगों का खूब मनोरंजन किया। रैली मार्ग पर जगह–जगह ग्रामीणों द्वारा स्वागत किया।

सुविचार

आपको परिपूर्ण होने की जरूरत नहीं है, बस आगे बढ़ते रहिए।

कल का पंचांग

तिथि	एकादशी 02:52-01:30 तक		पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	पूर्वभाद्रपदा 01:28-01:17 तक		माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय	5:36 AM		चन्द्रोदय	02:14 AM
सूर्यास्त	6:54 PM		चंद्रास्त	02:19 PM
सूर्य राशि	मेष राशि		चंद्र	मीन राशि
शुभ मुहूर्त	11:49AM -12:42 PM		ब्रहम् मुहूर्त	03:59-04:47
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	03:35 PM: 04:14 PM		वार	मंगलवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

पवित्र धाम में आत्मा को मिलती है शांति

तीन नदियों का दिव्य मिलन स्थल सोमनाथ मंदिर

समुद्र किनारे बसा आस्था का अनोखा धाम

सरस्वती, हिरण, कपिला संगम की पवित्र कहानी

प्रभास क्षेत्र में भगवान कृष्ण की थी अंतिम लीला

यूनिक समय, मथुरा। गुजरात के प्रभास पाटन में स्थित सोमनाथ मंदिर केवल एक ज्योतिर्लिंग ही नहीं, बल्कि आस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत केंद्र भी माना जाता है। समुद्र तट पर स्थित यह पवित्र धाम अपने भव्य स्वरूप और ऐतिहासिक महत्व के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। यहां स्थित त्रिवेणी संगम को विशेष रूप से अत्यंत पवित्र माना गया है, जिसके कारण इसे मोक्ष तीर्थ कहा जाता है।

श्रद्धालु मानते हैं कि यहां स्नान, करने से व्यक्ति के पापों का नाश होता है और आत्मा को शांति प्राप्त होती है। यही वजह है कि देशभर से लाखों भक्त हर वर्ष यहां दर्शन और पूजन के लिए पहुंचते हैं।

सोमनाथ के त्रिवेणी संगम में तीन पवित्र नदियों का मिलन माना जाता है। इनमें हिरण नदी, कपिला नदी और सरस्वती नदी शामिल हैं। हिरण नदी को इस क्षेत्र की प्रमुख नदी माना जाता है, जबकि कपिला नदी भी धार्मिक दृष्टि से अत्यंत पवित्र मानी जाती है। तीसरी सरस्वती नदी को अदृश्य नदी कहा गया है, जो मान्यता के अनुसार धरती के भीतर प्रवाहित होकर यहां आकर मिलती है। इन तीनों नदियों के संगम को ही त्रिवेणी संगम कहा जाता है।

हिंदू धर्म में संगम स्थलों का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि जहां तीन नदियों का मिलन होता है, वहां दिव्य ऊर्जा का वास होता है। इसी कारण सोमनाथ के त्रिवेणी संगम को मोक्ष तीर्थ कहा जाता है। यहां स्नान करने के साथ-साथ श्रद्धालु अपने पूर्वजों के लिए तर्पण और पिंडदान भी करते हैं। धार्मिक विश्वास है कि इससे पितरों को शांति मिलती है और मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग खुलता है।

प्रभास क्षेत्र का संबंध भगवान श्रीकृष्ण से भी जोड़ा जाता है। मान्यता है कि यहीं उन्होंने अपने अवतार का समापन किया था। इसी कारण यह स्थान शिव और वैष्णव दोनों परंपराओं के भक्तों के लिए समान रूप से पूजनीय है।

अरब सागर के किनारे स्थित सोमनाथ का दृश्य अत्यंत मनमोहक है। मंदिर की घंटियों, मंत्रोच्चार और समुद्र की लहरों का संगम श्रद्धालुओं को अद्भुत शांति का अनुभव कराता है। यह स्थान केवल धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि इतिहास, आस्था और अध्यात्म का ऐसा संगम है जहां पहुंचकर हर व्यक्ति को आंतरिक सुकून और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव होता है।

MANNAT
GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष राशिः कल आत्मविश्वास बढ़ेगा और कार्यों में तेजी आएगी। नौकरी और व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं। पारिवारिक सहयोग मिलेगा, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण रखें।

वृषभ राशिः कल भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी और व्यापार दोनों में सकारात्मक परिणाम मिल सकते हैं। पैतृक संपत्ति से लाभ के संकेत हैं। विद्यार्थियों को अधिक मेहनत करनी होगी। रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी।

मिथुन राशिः कल कार्यक्षेत्र में मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। नौकरी में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापार में लाभ के योग हैं।

कर्क राशिः कल भावनात्मक संतुलन बनाए रखना जरूरी होगा। व्यापार और नौकरी में नए अवसर मिल सकते हैं। शिक्षा और प्रतियोगिता में सफलता के संकेत हैं। विरोधियों से सावधान रहें। परिवार का सहयोग मिलेगा।

सिंह राशिः कल सावधानी से काम करने की जरूरत है। जल्दबाजी नुकसान पहुंचा सकती है। रुका हुआ धन मिलने की संभावना है।

कन्या राशिः कल आत्मविश्वास और कार्यक्षमता बढ़ेगी। व्यापार में लाभ और नए अवसर मिल सकते हैं। रिश्तों में उतार-चढ़ाव रह सकता है। खर्च बढ़ने की संभावना है। योजनाबद्ध तरीके से काम करने पर सफलता मिलेगी।

तुला राशिः कल कार्यभार बढ़ सकता है और नए बदलाव तनाव दे सकते हैं। अनुभवी लोगों की सलाह लाभदायक रहेगी। सरकारी कार्यों में सतर्कता जरूरी है। परिवार का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक राशिः कल मेहनत अधिक करनी पड़ सकती है। व्यापार में सतर्कता जरूरी रहेगी। पुरानी बीमारी परेशान कर सकती है। रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। सकारात्मक सोच और एकाग्रता से कार्य पूरे होंगे।

धनु राशिः कल नौकरी के क्षेत्र में अच्छे अवसर मिल सकते हैं। व्यापार में जोखिम लेने से बचें। खर्चों में बढ़ोतरी संभव है। परिवार और रिश्तों में सकारात्मक माहौल रहेगा। यात्रा के योग बन सकते हैं।

मकर राशिः कल नई योजनाओं और निवेश में लाभ मिलने की संभावना है। नौकरी में अनुकूलता बनी रहेगी, लेकिन व्यापार में उतार-चढ़ाव आ सकते हैं। रिश्तों को समय देना जरूरी होगा।

कुंभ राशिः कल मान-सम्मान में वृद्धि होगी। व्यापार और नौकरी दोनों में सफलता के योग हैं। नए संपर्क लाभ दिला सकते हैं। विरोधियों से सतर्क रहने की जरूरत है। आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है।

मीन राशिः कल ओवर कॉन्फिडेंस से बचने की जरूरत है। व्यापार में लाभ और नौकरी में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। नई संभावनाएं सामने आएंगी। स्वास्थ्य पर ध्यान देना जरूरी रहेगा। पुराने विवाद तनाव दे सकते हैं।

पर्स में रखें ये शुभ चीजें, बरसेगी मां लक्ष्मी की कृपा

यूनिक समय, मथुरा। वास्तु शास्त्र और ज्योतिष के अनुसार पर्स केवल पैसे रखने की वस्तु नहीं, बल्कि धन और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। कहा जाता है कि अगर पर्स में कुछ शुभ चीजें रखी जाएं और उसे साफ-सुथरा रखा जाए, तो आर्थिक स्थिति मजबूत होने लगती है और धन टिकने लगता है।

अंबाला के ज्योतिषाचार्य पंडित दीपलाल जयपुरी के अनुसार कई लोग शिकायत करते हैं कि पैसा आता तो है, लेकिन बचता नहीं। इसका कारण नकारात्मक ऊर्जा और आर्थिक अव्यवस्था भी हो सकती है। ऐसे में कुछ आसान वास्तु उपाय लाभकारी माने गए हैं।

ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक पर्स में पीपल का पत्ता रखना बेहद शुभ माना जाता है। मान्यता है कि पीपल के वृक्ष में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का वास होता है। साफ पीपल के पत्ते पर केसर या चंदन से 'श्रीं' लिखकर उसे पर्स में रखने से धन आकर्षित होता है और आर्थिक स्थिरता बढ़ती है।

इसके अलावा लक्ष्मी माता की कौड़ी भी धन वृद्धि का प्रतीक मानी जाती है। समुद्र मंथन से उत्पन्न होने के कारण कौड़ी को माता लक्ष्मी का प्रिय माना गया है। सफेद या पीली कौड़ी को पूजा के बाद पर्स में रखने से आर्थिक तंगी दूर होने की मान्यता है। वास्तु में 21 अखंडित चावल के दानों को लाल कपड़े में बांधकर पर्स में रखना भी शुभ बताया गया है। इसे समृद्धि और धन संचय का प्रतीक माना जाता है। वहीं गोमती चक्र और ॐ या स्वस्तिक जैसे पवित्र प्रतीक रखने से सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है। ज्योतिषाचार्य का कहना है कि पर्स में पुराने बिल, फटे नोट, बेकार कागज और उधारी की पर्चियां नहीं रखनी चाहिए। ऐसी चीजें नकारात्मकता बढ़ाने वाली मानी जाती हैं। साफ और व्यवस्थित पर्स आर्थिक संतुलन और सुख-समृद्धि का संकेत माना जाता है।

साक्षात लक्ष्मी का रूप होती हैं छह मूलांक वाली लड़कियां

यूनिक समय, मथुरा। अंकज्योतिष शास्त्र में मूलांक 6 को बेहद शुभ माना गया है। कहा जाता है कि इस मूलांक की लड़कियां जहां भी जाती हैं वहां सुख, शांति और समृद्धि का माहौल बन जाता है। मान्यता है कि इन पर शुक्र ग्रह की विशेष कृपा रहती है, जिसकी वजह से इनके जीवन में धन-वैभव और खुशहाली बनी रहती है।

अंकज्योतिष के अनुसार जिन लड़कियों का जन्म किसी भी महीने की 6, 15 या 24 तारीख को होता है, उनका मूलांक 6 माना जाता है। इन्हें सौभाग्यशाली और परिवार के लिए शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि शादी के बाद इनके कदम जिस घर में पड़ते हैं वहां आर्थिक स्थिति मजबूत होने लगती है और परिवार में खुशहाली बढ़ती है।

मूलांक 6 की लड़कियां स्वभाव से बेहद शांत, समझदार और मिलनसार मानी जाती हैं। इनके व्यवहार में मिठास होती है और यही कारण है कि ये जल्दी ही लोगों का दिल जीत लेती हैं। परिवार के हर सदस्य का ध्यान रखना और रिश्तों को संभालना इनकी खासियत माना जाता है।

ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार, इस मूलांक की लड़कियां अपने पति के लिए भी भाग्यशाली मानी जाती हैं। कहा जाता है कि इनके जीवनसाथी को करियर और व्यवसाय में तरक्की मिलने लगती है। इनके सकारात्मक स्वभाव से घर का माहौल भी खुशनुमा बना रहता है। इन लड़कियों को घर सजाने, व्यवस्थित रखने और परिवार में प्रेम बनाए रखने में माहिर माना जाता है। यही वजह है कि इन्हें कई लोग मां लक्ष्मी का स्वरूप मानते हैं।

हालांकि ज्योतिष और अंकज्योतिष आस्था और मान्यताओं पर आधारित विषय हैं। इन्हें वैज्ञानिक प्रमाण के रूप में नहीं देखा जाता, लेकिन लोग आज भी इन बातों पर गहरी आस्था रखते हैं।

सम्पादकीय

गांव और शहर के बीच बढ़ती खाई

गांव और शहर के बीच बढ़ती खाई आज सिर्फ एक सामाजिक विषय नहीं, बल्कि एक गंभीर विकासात्मक चुनौती बन चुकी है। यह खाई शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और जीवनशैली–हर स्तर पर साफ दिखाई देती है। मथुरा जैसे जिले में यह अंतर और भी स्पष्ट रूप से महसूस किया जा सकता है, जहाँ एक तरफ धार्मिक और पर्यटन आधारित शहरी विकास तेजी से बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर कई ग्रामीण क्षेत्र अब भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। मथुरा का शहरी क्षेत्र, विशेषकर वृंदावन और आसपास के पर्यटन केंद्र, आधुनिक सुविधाओं, होटलों और व्यावसायिक गतिविधियों से भरते जा रहे हैं। यहां डिजिटल भुगतान, बेहतर सड़कें और तेजी से बढ़ता पर्यटन अर्थव्यवस्था को नई गति दे रहा है। लेकिन कुछ ही किलोमीटर दूर बसे गांवों में आज भी शिक्षा की गुणवत्ता, स्वास्थ्य सेवाएँ और रोजगार के अवसर सीमित हैं। यह विरोधाभास विकास की असमान तस्वीर पेश करता है। गांवों से शहर की ओर पलायन लगातार बढ़ रहा है। युवा बेहतर नौकरी और जीवनशैली की तलाश में शहरों की ओर जा रहे हैं, जिससे गांवों में श्रम और कौशल दोनों की कमी महसूस की जा रही है। मथुरा के ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि पर निर्भरता अभी भी अधिक है, लेकिन आधुनिक तकनीक और बाजार तक सीधी पहुंच न होने के कारण किसान अपेक्षित लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी यह अंतर स्पष्ट है। शहरी स्कूलों में डिजिटल कक्षाएं और आधुनिक सुविधाएँ हैं, जबकि ग्रामीण विद्यालयों में संसाधनों की कमी एक बड़ी समस्या बनी हुई है। यही कारण है कि ग्रामीण और शहरी छात्रों के बीच अवसरों की खाई लगातार बढ़ रही है। स्वास्थ्य सेवाओं में भी असमानता गहरी है। शहरों में अस्पताल और विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध हैं, लेकिन गांवों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति अक्सर कमजोर रहती है। आपातकालीन स्थिति में ग्रामीण लोगों को शहरों पर निर्भर रहना पड़ता है। इस खाई को पाटने के लिए केवल योजनाएँ बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका प्रभावी क्रियान्वयन जरूरी है। डिजिटल कनेक्टिविटी, ग्रामीण शिक्षा सुधार, स्थानीय रोजगार और कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देकर इस असमानता को कम किया जा सकता है। मथुरा जैसे जिले में यदि ग्रामीण और शहरी विकास के बीच संतुलन स्थापित किया जाए, तो यह न केवल सामाजिक समानता बढ़ाएगा, बल्कि पूरे क्षेत्र की आर्थिक प्रगति को भी नई दिशा देगा। वास्तव में, विकास तभी पूर्ण माना जा सकता है जब गांव और शहर दोनों समान गति से आगे बढ़ें।

पवन गौतम
संपादक

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

मोदी की सोना अपील के पीछे छुपा बड़ा आर्थिक संदेश

बोध प्रकाश सगुणी

प्रधानमंत्री द्वारा कथित तौर पर की गई सोना खरीद को एक वर्ष तक टालने की अपील केवल एक सामान्य सलाह नहीं, बल्कि एक बड़े आर्थिक संकेत के रूप में देखी जा रही है। नरेन्द्र मोदी के इस संदेश को यदि व्यापक दृष्टि से समझा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि यह कदम व्यक्तिगत उपभोग से आगे बढ़कर राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की स्थिरता से जुड़ा है। भारत जैसे देश में, जहाँ सोना परंपरा, सुरक्षा और निवेश तीनों रूपों में देखा जाता है, वहाँ इस तरह की अपील अपने आप में एक गंभीर विमर्श को जन्म देती है। वैश्विक स्तर पर ऊर्जा बाजार में अस्थिरता लगातार बनी हुई है। कच्चे तेल की कीमतों में उतार–चढ़ाव ने आयात करने वाले देशों की अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव डाला है। भारत के संदर्भ में यह स्थिति और भी महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि देश अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा बाहर से आयात करता है। जब तेल महंगा होता है तो विदेशी मुद्रा भंडार तेजी से घटने लगता है और रुपये पर दबाव बढ़ता है। यही वह पृष्ठभूमि है जिसमें सोने जैसी गैर–जरूरी आयात वस्तु पर नियंत्रण की चर्चा सामने आती है।

भारत दुनिया के सबसे बड़े सोना आयात करने वाले देशों में शामिल है। शादी–ब्याह, त्योहार और पारंपरिक निवेश के कारण सोने की मांग हमेशा बनी रहती है। समस्या यह है कि सोने का अधिकांश भुगतान डॉलर में किया जाता है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। जब एक तरफ तेल आयात बढ़ता है और दूसरी तरफ सोने की मांग भी उच्च रहती है, तो यह स्थिति आर्थिक असंतुलन पैदा करती है। इसी असंतुलन को कम करने के लिए वैकल्पिक खपत पर विचार किया जाता है।

विदेशी मुद्रा पर दबाव बढ़ने का सीधा असर रुपये की कीमत पर पड़ता है। जब डॉलर की मांग बढ़ती है तो रुपया कमजोर हो जाता है और इसका असर आयातित वस्तुओं की कीमतों पर दिखाई देता है। इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाइयाँ, मशीनरी और ईंधन जैसी वस्तुएँ महंगी हो जाती हैं। यह महंगाई का ऐसा चक्र बनाता है जो सीधे आम जनता की क्रय शक्ति को प्रभावित करता है। इसलिए मुद्रा स्थिरता को आर्थिक नीति का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य माना जाता है।

भारतीय समाज में सोना केवल धातु नहीं बल्कि भावनाओं और परंपराओं का प्रतीक है। शादियों में सोना देना सामाजिक प्रतिष्ठा से जुड़ा हुआ माना जाता है। ऐसे में किसी भी तरह की सोना खरीद में कमी की अपील सीधे सांस्कृतिक भावना से टकराती है। यह वह बिंदु है जहाँ आर्थिक तर्क और सामाजिक परंपरा आमने–सामने खड़े हो जाते हैं। यही कारण है कि इस तरह के संदेश समाज में मिश्रित प्रतिक्रियाएँ पैदा करते हैं।

इस पूरी अपील को यदि व्यापक दृष्टि से देखा जाए तो यह आर्थिक राष्ट्रवाद की अवधारणा से जुड़ती है। विचार यह है कि संकट के समय नागरिकों को व्यक्तिगत उपभोग में थोड़ी समझदारी दिखानी चाहिए ताकि देश की विदेशी मुद्रा आवश्यक क्षेत्रों में उपयोग हो सके। यह संदेश केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं बल्कि जनता की भागीदारी पर भी आधारित है। जब करोड़ों लोग छोटे–छोटे आर्थिक निर्णय लेते हैं, तो उसका बड़ा सामूहिक प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।

आर्थिक दृष्टिकोण से सरकार हमेशा प्राथमिक और गैर–प्राथमिक खर्चों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करती है। तेल, ऊर्जा और आवश्यक आयात को रोका नहीं जा सकता, लेकिन सोने जैसी वस्तुओं की खपत को कुछ समय के लिए कम किया जा सकता है। यही कारण है कि ऐसे समय में वैकल्पिक खर्चों पर ध्यान देने की सलाह दी जाती है।

इसका उद्देश्य केवल खपत रोकना नहीं बल्कि विदेशी मुद्रा बचत को प्राथमिकता देना होता है। भारत ने पहले भी कई बार सोने की खपत और आयात को नियंत्रित करने के प्रयास किए हैं। आयात शुल्क बढ़ाने से लेकर डिजिटल निवेश विकल्पों को बढ़ावा देने तक कई कदम उठाए गए हैं। सरकारी स्वर्ण बांड योजना जैसे विकल्पों का उद्देश्य यही रहा है कि लोग भौतिक सोने की बजाय वित्तीय साधनों में निवेश करें, जिससे देश का डॉलर बाहर न जाए। इन प्रयासों से कुछ हद तक संतुलन बनाने में मदद मिली है।

आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था अत्यधिक जुड़ी हुई है। एक क्षेत्र में संकट का असर दूसरे क्षेत्रों पर तुरंत दिखाई देता है। तेल की कीमतों में वृद्धि, भू–राजनीतिक तनाव और मुद्रा बाजार में उतार–चढ़ाव मिलकर एक ऐसा वातावरण बनाते हैं जिसमें महंगाई को नियंत्रित करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। ऐसे समय में घरेलू खपत पैटर्न भी आर्थिक स्थिरता को प्रभावित करते हैं। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था केवल आंकड़ों से नहीं चलती, बल्कि समाज के व्यवहार से भी प्रभावित होती है। उपभोग की आदतें, परंपराएँ और सांस्कृतिक मूल्य आर्थिक नीतियों के प्रभाव को तय करते हैं। इसलिए नीति निर्माण में केवल आर्थिक तर्क नहीं बल्कि सामाजिक वास्तविकताओं को भी ध्यान में रखना आवश्यक होता है। यही संतुलन किसी भी अपील की सफलता या असफलता को निर्धारित करता है।अल्पकालिक संकटों का समाधान अक्सर दीर्घकालिक सोच में छिपा होता है। यदि देश अपनी खपत संरचना को अधिक संतुलित और जिम्मेदार बनाता है, तो विदेशी मुद्रा पर दबाव कम किया जा सकता है। इसका अर्थ यह नहीं कि परंपराओं को छोड़ा जाए, बल्कि यह है कि आर्थिक प्राथमिकताओं को समझदारी से तय किया जाए। यही दृष्टिकोण किसी भी विकसित होती अर्थव्यवस्था की नींव होता है।

अंततः यह पूरा विषय एक संतुलन की मांग करता है। एक ओर आर्थिक मजबूरियाँ हैं और दूसरी ओर सामाजिक परंपराएँ। न तो परंपराओं को पूरी तरह नजरअंदाज किया जा सकता है और न ही आर्थिक वास्तविकताओं को। समाधान उसी दिशा में निकल सकता है जहाँ दोनों के बीच समझदारी का पुल बनाया जाए। यही वह रास्ता है जो देश को स्थिरता, विकास और सामाजिक संतुलन की ओर ले जा सकता है।

विचार विण्डो

युवा मंत्री कीर्तना की नई राजनीति में बड़ी दस्तक

राजवीर सिंह

तमिलनाडु की राजनीति में एक नया अध्याय तब शुरू हुआ जब थलापति विजय के नेतृत्व में बनी नई कैबिनेट में 29 वर्षीय एस. कीर्तना ने मंत्री पद की शपथ ली। वह न केवल इस सरकार की सबसे युवा मंत्री बनीं, बल्कि एकमात्र महिला प्रतिनिधि के रूप में भी उन्होंने इतिहास में अपनी जगह दर्ज करा दी। उनकी यह एंट्री सिर्फ एक राजनीतिक नियुक्ति नहीं, बल्कि बदलती भारतीय राजनीति की एक गहरी तस्वीर भी पेश करती है, जहाँ युवा नेतृत्व और महिला भागीदारी धीरे–धीरे अपनी जगह मजबूत कर रही है।

तमिलनाडु जैसे राज्य में, जहाँ राजनीति लंबे समय तक पारंपरिक नेतृत्व और पुरुष वर्चस्व के इर्द–गिर्द घूमती रही है, वहाँ शिवकाशी से आई इस युवा विधायक का मंत्री बनना एक सामाजिक और राजनीतिक बदलाव का संकेत माना जा रहा है। शिवकाशी, जिसे आमतौर पर भारत की आतिशबाजी राजधानी कहा जाता है, अब एक नई पहचान के साथ चर्चा में है–जहाँ से राज्य की पहली महिला विधायक और अब सबसे युवा मंत्री सामने आई हैं। कीर्तना की राजनीतिक यात्रा साधारण नहीं रही। एक पढ़ी–लिखी, बहुभाषी और तेज–तर्रार वक्ता के रूप में उनकी पहचान पहले से ही क्षेत्रीय राजनीति में बन चुकी थी। लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान उनकी हिंदी पर पकड़ ने खींचा है। तमिलनाडु जैसे राज्य में, जहाँ भाषा अक्सर राजनीति का संवेदनशील मुद्दा रही है, वहाँ एक मंत्री का धाराप्रवाह हिंदी बोलना अपने आप में एक महत्वपूर्ण संकेत है। यह केवल भाषाई कौशल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति से जुड़ाव और संवाद की क्षमता का भी प्रतीक है।

नवगठित कैबिनेट में कुल नौ मंत्री शामिल हुए हैं, लेकिन कीर्तना का नाम सबसे अलग इसलिए उभरकर आया क्योंकि वे एकमात्र महिला चेहरा हैं। यह स्थिति एक तरफ गर्व का विषय है, तो दूसरी तरफ सवाल भी खड़े करती है कि क्या वास्तव में महिला प्रतिनिधित्व अभी भी सीमित दायरे में ही है? आधुनिक राजनीति में जब समानता और भागीदारी की बातें होती हैं, तब ऐसी स्थिति एक अधूरी तस्वीर भी दिखाती है। शपथ ग्रहण के दौरान जब कीर्तना ने मंच संभाला, तो उनका आत्मविश्वास स्पष्ट दिखाई दिया। उन्होंने कहा कि यह सरकार शासन में एक नया मानक स्थापित करेगी और वह दुनिया को दिखाएंगे कि प्रशासन को कितनी कुशलता और पारदर्शिता से चलाया जा सकता है। उनके इस बयान में युवा ऊर्जा और आत्मविश्वास दोनों झलकते हैं, लेकिन इसके साथ ही जिम्मेदारी का भार भी साफ महसूस होता है। राजनीति में युवा

नेताओं का उभरना कोई नई बात नहीं है, लेकिन उनकी सफलता और स्थायित्व हमेशा उनकी कार्यक्षमता पर निर्भर करता है। 29 वर्ष की उम्र में मंत्री पद संभालना जितना उत्साहजनक है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी है। प्रशासनिक अनुभव, राजनीतिक दबाव और जनता की अपेक्षाएँ–ये सभी मिलकर एक कठिन परीक्षा की तरह होते हैं। कीर्तना की सबसे बड़ी पहचान उनकी शिवकाशी सीट से ऐतिहासिक जीत रही है, जहाँ उन्होंने लगभग 11,697 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। यह जीत केवल आंकड़ों की जीत नहीं थी, बल्कि एक लंबे समय से चले आ रहे पुरुष वर्चस्व के टूटने का संकेत भी थी। लगभग सात दशकों में पहली बार इस क्षेत्र से एक महिला विधायक चुनी गई, और उसी का परिणाम अब राज्य स्तर पर मंत्री पद के रूप में सामने आया है। राजनीतिक विश्लेषक इसे एक प्रतीकात्मक बदलाव के रूप में देख रहे हैं। एक ओर यह युवाओं के लिए प्रेरणा है, वहीं दूसरी ओर यह सवाल भी उठाता है कि क्या राजनीतिक दल वास्तव में महिला नेतृत्व को समान अवसर देने के लिए तैयार हैं? केवल एक महिला मंत्री का होना यह दिखाता है कि अभी यात्रा अधूरी है। कीर्तना की बहुभाषी क्षमता भी उन्हें अलग पहचान देती है। वे तमिल, अंग्रेज़ी और हिंदी में सहजता से संवाद कर सकती हैं। विशेष रूप से हिंदी में उनकी पकड़ ने उन्हें राष्ट्रीय मीडिया में चर्चा का विषय बना दिया है। यह क्षमता उन्हें केवल राज्य स्तर तक सीमित नहीं रखती, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति में भी उनकी संभावनाएँ खोलती है। इस नई सरकार का नेतृत्व करते हुए थलापति विजय ने भी स्पष्ट किया कि उनकी प्राथमिकता पारदर्शी शासन और सामाजिक न्याय पर आधारित प्रशासन होगी। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि वे झूठे वादों की राजनीति से दूर रहेंगे और केवल व्यावहारिक नीतियों पर काम करेंगे। यह बयान नई सरकार की दिशा और दृष्टिकोण को स्पष्ट करता है। लेकिन किसी भी नई सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती उम्मीदों की होती है। जनता ने बदलाव के लिए वोट दिया है, अब उस बदलाव को धरातल पर उतारना सबसे कठिन काम होगा। युवा मंत्रियों के लिए यह समय सीखने और साबित करने दोनों का है।

कीर्तना के सामने भी कई चुनौतियाँ होंगी–चाहे वह प्रशासनिक अनुभव की कमी हो, या राजनीतिक दबावों का सामना। लेकिन उनकी ऊर्जा, शिक्षा और बहुभाषी क्षमता उन्हें एक अलग स्तर पर खड़ा करती है। राजनीति में अक्सर कहा जाता है कि प्रतिनिधित्व ही बदलाव की शुरुआत है। कीर्तना का मंत्री बनना इसी विचार को मजबूत करता है कि अब नेतृत्व केवल उम्र या परंपरा से नहीं, बल्कि क्षमता और दृष्टि से तय होगा। आज की राजनीति में युवा चेहरों का आना केवल एक ट्रेंड नहीं, बल्कि एक आवश्यकता बन चुका है। बदलती अर्थव्यवस्था, तकनीकी विकास और सामाजिक अपेक्षाएँ अब ऐसे नेतृत्व की मांग करती हैं जो तेज, लचीला और संवादक्षम हो। इस संदर्भ में कीर्तना का उदय एक बड़े परिवर्तन का संकेत है। यह केवल एक व्यक्ति की सफलता नहीं, बल्कि उस सोच का विस्तार है जो भारतीय राजनीति को अधिक समावेशी और आधुनिक बनाना चाहती है। अंततः यह कहना गलत नहीं होगा कि यह नई कैबिनेट केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि सोच के परिवर्तन का भी प्रतीक है। कीर्तना जैसे युवा चेहरों की उपस्थिति इस बात का संकेत है कि आने वाले समय में राजनीति केवल अनुभव पर नहीं, बल्कि नए विचारों और नई ऊर्जा पर भी चलेगी।

आईपीएल में सोशल मीडिया पर एक नया विवाद आया चर्चा में

टिम डेविड ने मुंबई इंडियस की ओर किया अभद्र इशारा

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बीच खेले गए रोमांचक मुकाबले के बाद अब सोशल मीडिया पर एक नया विवाद चर्चा में है। आरसीबी के बल्लेबाज टिम डेविड का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि उन्होंने मुंबई इंडियंस की ओर अभद्र इशारा किया।

हालांकि अभी तक इस वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और यह साफ नहीं हो पाया है कि वीडियो उसी मैच के तुरंत बाद का है या नहीं। इसके बावजूद सोशल मीडिया पर फैंस के बीच इसको लेकर बहस तेज हो गई है।

टिम डेविड पहले मुंबई इंडियंस का हिस्सा रह चुके हैं और उन्होंने टीम के लिए कई अहम पारियां खेली थीं। बाद में आईपीएल 2025 ऑक्शन में आरसीबी ने उन्हें अपनी टीम में शामिल किया। ऐसे में मुंबई के खिलाफ मिली यह जीत उनके लिए भावनात्मक रूप से काफी खास मानी जा रही है।

दिलचस्प बात यह रही कि मैच में टिम डेविड बल्ले से कोई खास योगदान नहीं दे सके और पहली ही गेंद पर आउट होकर गोल्डन डक का शिकार बने। इसके बावजूद वह पूरे मुकाबले के दौरान डगआउट से टीम का उत्साह बढ़ाते दिखाई दिए। जैसे ही आरसीबी ने आखिरी गेंद पर जीत हासिल की, पूरी टीम जश्न में डूब गई और उसी दौरान का यह वीडियो अब वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर कुछ लोग इसे केवल मजाकिया अंदाज बता रहे हैं, जबकि कई क्रिकेट प्रेमी इसे खेल भावना के खिलाफ मान रहे हैं। अगर वीडियो सही पाया जाता है, तो लीग प्रबंधन इस मामले पर कार्रवाई भी कर सकता है। फिलहाल किसी खिलाड़ी या आईपीएल प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

रायपुर में खेले गए इस मुकाबले में मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते

वायरल वीडियो ने सोशल मीडिया पर बढ़ाई हलचल

पूर्व टीम के खिलाफ जीत बनी भावुक पल

फैंस के बीच खेल भावना को लेकर बहस तेज

आखिरी गेंद पर जीत से आरसीबी पहुंची शीर्ष पर

हुए 166 रन बनाए थे। जवाब में आरसीबी की शुरुआत बेहद खराब रही, लेकिन क्रुणाल पंड्या की 73 रन की शानदार पारी ने मैच का रुख बदल दिया। आरसीबी ने आखिरी गेंद पर जीत दर्ज कर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया, जबकि मुंबई इंडियंस प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई।

बिना हीरोइन की फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर मचाया था गदर

यूनिक समय, नई दिल्ली। साल 2007 में आई 'धमाल' ने बॉलीवुड को कॉमेडी फिल्मों को नया अंदाज दिया। बिना लीड हीरोइन, बिना रोमांटिक कहानी और बिना बड़े-बड़े सेट्स के भी यह फिल्म सुपरहिट साबित हुई। निर्देशक इंद्र कुमार ने ऐसी कहानी पेश की, जिसमें सिर्फ कॉमेडी और मनोरंजन का दम था।

फिल्म में संजय दत्त, अरशद वारसी, रितेश देशमुख, जावेद जाफरी और आशीष चौधरी की टीम ने जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों को खूब हंसाया।

कहानी चार दोस्तों की है, जिन्हें गोवा में छिपे खजाने का पता चलता है और फिर शुरू होती है भागदौड़ और मजेदार घटनाओं की लंबी श्रृंखला। फिल्म की सबसे खास बात यह रही कि चारों मुख्य कलाकार लगभग पूरी मूवी में एक ही तरह के कपड़ों में नजर आए। मेकर्स ने कहानी की निरंतरता बनाए रखने के लिए यह प्रयोग किया, जो दर्शकों को काफी पसंद आया। करीब 20 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में 50 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की।

आज भी इसके कई सीन और डायलॉग सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं।

200 करोड़ मनी लॉन्ड्रिंग केस में जैकलीन को बड़ा झटका

कोर्ट में ईडी बोली-हमारे पास हैं पर्याप्त सबूत

यूनिक समय, नई दिल्ली। जैकलीन फर्नांडिस को 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ा झटका लगा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली की अदालत में उनकी सरकारी गवाह बनने की मांग का विरोध किया है। एजेंसी का कहना है कि अभिनेत्री के खिलाफ पर्याप्त सबूत मौजूद हैं और मामले में उनका पिछला आचरण भी सवालों के घेरे में रहा है।

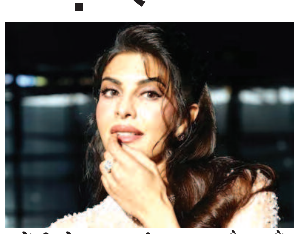

दरअसल, जैकलीन फर्नांडिस ने हाल ही में पटियाला हाउस कोर्ट में याचिका दायर कर खुद को सरकारी गवाह बनाने की मांग की थी। इसके बाद अदालत ने ईडी से जवाब मांगा था। अब ईडी ने कोर्ट में कहा है कि मामले में अभिनेत्री की भूमिका को लेकर जांच एजेंसी के पास पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं। यह मामला कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़ा है, जिस पर 200 करोड़ रुपये की रंगदारी और मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है। जांच एजेंसी का दावा है कि सुकेश ने अपराध से अर्जित रकम से जैकलीन को महंगे गिफ्ट दिए थे। हालांकि अभिनेत्री लगातार कहती रही हैं कि उन्हें इन उपहारों के अवैध स्रोत की जानकारी नहीं थी। पिछले कुछ वर्षों में इस हाई-प्रोफाइल केस को लेकर कई बार पूछताछ और कानूनी बहस हो चुकी है। अब कोर्ट में ईडी के विरोध के बाद मामले ने नया मोड़ ले लिया है।

गिर पार्क में रकुल का वीडियो बना विवाद

वायरल वीडियो ने बढ़ाई रकुल प्रीत की मुश्किलें

यूनिक समय, नई दिल्ली। अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह इन दिनों अपनी फिल्म पति, पत्नी और वो दो को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच गिर नेशनल पार्क से उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसके बाद नियमों के उल्लंघन को लेकर सवाल उठने लगे। वीडियो में रकुल प्रीत एक सरकारी वाहन के पास टहलती दिखाई दे रही थीं। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने दावा किया कि अभिनेत्री प्रतिबंधित क्षेत्र में सफारी वाहन से बाहर निकली थीं। इसके बाद उन्हें ट्रोल भी किया जाने लगा। अब इस पूरे मामले पर गिर नेशनल पार्क प्रशासन की ओर से स्पष्टीकरण जारी किया गया है। अधिकारियों ने साफ कहा कि वायरल वीडियो पार्क के एंट्री गेट के बाहर शूट

किया गया था, न कि किसी रेस्ट्रिक्टेड एरिया के अंदर। इसलिए किसी भी नियम का उल्लंघन नहीं हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि अभयारण्य के भीतर किसी को भी सफारी वाहन से बाहर निकलने की अनुमति नहीं होती और अभिनेत्री ने ऐसा कोई नियम नहीं तोड़ा। बयान के बाद सोशल मीडिया पर चल रही अटकलों पर विराम लग गया है। रकुल प्रीत सिंह की फिल्म 'पति पत्नी और वो दो' 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है।

विवादित डॉक्यूमेंट्री 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' को मिली बड़ी राहत

यूनिक समय, नई दिल्ली। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने विवादित डॉक्यूमेंट्री 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' को बड़ी राहत देते हुए उसकी रिलीज का रास्ता साफ कर दिया है। हालांकि अदालत ने साफ कहा है कि फिल्म मौजूदा नाम के साथ रिलीज नहीं हो सकती। कोर्ट ने मेकर्स को निर्देश दिया है कि टाइटल से 'लॉरेंस' और 'बिश्नोई' जैसे शब्द हटाए जाएं।

अब डॉक्यूमेंट्री के निर्माता नए नामों की सूची अदालत में पेश करेंगे। कोर्ट की मंजूरी मिलने के बाद ही इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया जा सकेगा। सुनवाई के दौरान पंजाब सरकार ने फिल्म के नाम से 'पंजाब' शब्द हटाने की भी मांग की, लेकिन अदालत ने फिलहाल इस पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। इस मुद्दे पर

नाम बदलने के बाद मिलेगी रिलीज फिल्म-हाईकोर्ट

अगली सुनवाई में अंतिम फैसला आने की संभावना है।

डॉक्यूमेंट्री को लेकर पंजाब की राजनीति में भी विवाद तेज हो गया है। कई राजनीतिक दलों ने आरोप लगाया कि ऐसी फिल्में गैंगस्टर संस्कृति को बढ़ावा देती हैं। पंजाब पुलिस ने भी केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग की थी।

यह डॉक्यूमेंट्री जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नेटवर्क और उसके प्रभाव पर आधारित बताई जा रही है। परिवार की ओर से भी इसके विरोध में आवाज उठाई गई है।

आईपीएल में खूब चमके क्रुणाल पंड्या

टीम इंडिया में वापसी की बढ़ी उम्मीदें

यूनिक समय, नई दिल्ली। क्रुणाल पंड्या ने आईपीएल 2026 में अपने शानदार प्रदर्शन से एक बार फिर टीम इंडिया के दरवाजे खटखटाने शुरू कर दिए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेल रहे इस अनुभवी ऑलराउंडर ने बल्ले और गेंद दोनों से दमदार प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

35 वर्षीय क्रुणाल पंड्या ने हाल ही में मुंबई इंडियंस के खिलाफ अहम मुकाबले में 46 गेंदों में 73 रन की शानदार पारी खेलकर टीम को रोमांचक जीत दिलाई। मांसपेशियों में खिंचाव के बावजूद उन्होंने अंत तक लड़ाई जारी रखी और अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। इस जीत के बाद आरसीबी की प्लेऑफ उम्मीदों को भी बड़ा सहारा मिला।

क्रुणाल ने कहा कि देश के लिए खेलना उनका सबसे बड़ा सपना है और वह 2027 वनडे विश्व कप में भारत का हिस्सा बनना चाहते हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि अगर वह लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे तो टीम इंडिया में वापसी का मौका मिल सकता है।

आईपीएल 2026 में क्रुणाल का प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा है। उन्होंने छह पारियों में 35 से अधिक की औसत और 150 के स्ट्राइक रेट से 141 रन बनाए हैं।

वहीं गेंदबाजी में भी उन्होंने 10 विकेट लेकर अपनी उपयोगिता साबित की है। दबाव की परिस्थितियों में शांत रहकर मैच खत्म करने की उनकी क्षमता आरसीबी के लिए बड़ी ताकत बन चुकी है।

क्रुणाल पंड्या इससे पहले भारत के लिए पांच वनडे और 19 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं। वनडे डेब्यू में सबसे तेज भारतीय अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड भी उनके नाम है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में चोट और फॉर्म के कारण वह टीम से बाहर रहे।

अब आईपीएल में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद उनकी वापसी की चर्चा तेज हो गई है। खासकर एक ऐसे खिलाड़ी के रूप में जो बल्लेबाजी, गेंदबाजी और अनुभव तीनों का संतुलन टीम को दे सकता है। आने वाले महीनों में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन यह तय करेगा कि वह फिर से भारतीय टीम की जर्सी पहन पाएंगे या नहीं।

कोर्ट परिसर के चैंबर विवाद में चली गोलियां, वकीलों में दहशत

यूनिक समय, बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में सोमवार सुबह जिला न्यायालय परिसर उस समय दहशत में आ गया, जब चैंबर विवाद को लेकर अधिवक्ताओं के दो गुट आमने-सामने आ गए। मामूली कहासुनी कुछ ही देर में हिंसक झड़प में बदल गई और फायरिंग होने लगी। घटना में कांग्रेस जिलाध्यक्ष जिया-उर्र-रहमान के पिता अधिवक्ता इमामुद्दीन और उनके साले रऊफ गोली लगने से घायल हो गए। घटना के बाद पूरे कोर्ट परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार, अधिवक्ता इमामुद्दीन पिछले करीब 30 वर्षों से जिला एवं सत्र न्यायालय में वकालत कर रहे हैं। उन्होंने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि अधिवक्ता सलीम अख्तर के निधन के बाद उनकी पत्नी आयशा बेगम ने चैंबर नंबर-272 उनके नाम आवंटित कराने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र दिया था। बार एसोसिएशन की सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद चैंबर अधिकारिक रूप से इमामुद्दीन को आवंटित कर दिया गया था। सोमवार सुबह करीब साढ़े छह बजे सूचना मिली कि कुछ लोग चैंबर का ताला तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। यह सुनते ही इमामुद्दीन अपने साले रऊफ के साथ मौके पर पहुंचे। आरोप है कि वहां पहले से मौजूद बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव और उनके आठ-दस साथियों ने विवाद शुरू कर दिया। देखते ही देखते दोनों पक्षों में तीखी बहस होने लगी और फिर फायरिंग शुरू हो गई।

फायरिंग में इमामुद्दीन की जांघ में जबकि रऊफ के पैर में गोली लगी। दोनों

जिला न्यायालय में मचा हड़कंप

घायल अधिवक्ताओं को हायर सेंटर किया रैफर

घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। घटना के बाद वकीलों और कर्मचारियों में डर का माहौल बना रहा। एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पांच टीमें गठित की गई हैं। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है और जल्द आरोपियों को गिरफ्तार करने का दावा कर रही है।

जम्मू-तवी एक्सप्रेस में यात्री की गोली मार कर हत्या

यूनिक समय, वाराणसी। वाराणसी में जम्मू-तवी एक्सप्रेस में रविवार देर रात एक यात्री की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना उस समय हुई जब बिहार के गया निवासी 42 वर्षीय दिनेश साहू ट्रेन के बाथरूम से लौट रहे थे। जैसे ही वह अपनी सीट की ओर बढ़े, बदमाशों ने उनके सिर में गोली मार दी। गोली चलते ही ट्रेन में अफरा-तफरी मच गई और यात्री दहशत में आ गए।

ट्रेन के बाथरूम से लौटते ही यात्री को मारी गोली

दो दिन में ट्रेन में हत्या की दूसरी वारदात

बताया गया कि वारदात मुगलसराय रेलवे स्टेशन से करीब तीन किलोमीटर पहले हुई। ट्रेन की गति धीमी होने का फायदा उठाकर हमलावर ट्रेन से कूदकर फरार हो गए। सूचना मिलने पर रेलवे पुलिस ने वाराणसी जंक्शन पर शव को उतारकर जांच शुरू की।

दिनेश साहू अपनी पत्नी के साथ स्लीपर कोच एस-2 में सफर कर रहे थे, जबकि उनके अन्य रिश्तेदार जनरल कोच में यात्रा कर रहे थे। पुलिस के अनुसार मृतक के पास मिले 15 हजार रुपये और पत्नी के जेवर सुरक्षित हैं, जिससे लूट की आशंका कम मानी जा रही है।

गौरतलब है कि दो दिन में ट्रेन में हत्या की यह दूसरी घटना है। इससे पहले रविवार को एक पैसेंजर ट्रेन में गाजीपुर निवासी युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। लगातार हो रही घटनाओं से रेलवे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

मंत्रिमंडल विस्तार पर मायावती ने सरकार को घेरा

यूनिक समय, लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने उत्तर प्रदेश में हुए मंत्रिमंडल विस्तार पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इसका सकारात्मक असर जनता के जीवन में साफ दिखाई देना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल राजनीतिक संतुलन बनाने के लिए मंत्रिमंडल विस्तार करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि आम लोगों को भी इससे राहत और लाभ महसूस होना चाहिए।

मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी बयान में कहा कि मंत्रिमंडल का विस्तार सत्ताधारी दल का आंतरिक मामला होता है, इसलिए उस पर ज्यादा टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। हालांकि उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार के फैसलों का प्रभाव गरीबों, मजदूरों, किसानों, युवाओं और महिलाओं की सुरक्षा व सम्मान पर

कानून व्यवस्था पर भी बसपा प्रमुख ने उठाए सवाल

दिखना जरूरी है। यदि ऐसा नहीं हुआ तो लोग इसे केवल राजनीतिक समीकरण और सरकारी खर्च बढ़ाने वाला कदम मानेंगे।

बसपा प्रमुख ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर वर्गों को सुरक्षा और न्याय का एहसास होना चाहिए। इसी संदर्भ में उन्होंने हाल ही में लखनऊ में भाजपा से जुड़े एक युवा ब्राह्मण नेता पर हुए जानलेवा हमले का उल्लेख किया। मायावती ने दावा किया कि प्रदेश में ब्राह्मण समाज खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है।

सुवेंदु के पीए हत्याकांड में बलिया का राज सिंह गिरफ्तार

यूनिक समय, बलिया। पश्चिम बंगाल में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ हत्याकांड में यूपी के बलिया निवासी राज सिंह को गिरफ्तार किया गया है। बंगाल पुलिस ने उसे अयोध्या से पकड़ा, जबकि बिहार के बक्सर से दो अन्य संदिग्धों मयंक राज मिश्रा और विक्की मौर्य को हिरासत में लिया गया। कोर्ट ने तीनों को 13 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। जांच में सामने आया कि राज सिंह सभासद का चुनाव लड़ चुका है। उसके सोशल मीडिया अकाउंट पर मंत्री दयाशंकर सिंह और पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के साथ तस्वीरें और रील भी मिली हैं। सोमवार को बलिया कोर्ट पहुंचीं राज की मां जामवंती सिंह ने बेटे को निर्दोष बताते हुए कहा कि उसे फंसाया जा रहा है। उन्होंने मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की। वहीं, पड़ोसियों के अनुसार राज का नाम तीन साल पहले एक गोलीकांड में भी सामने आया था।

आगरा नगर निगम बैठक में जमकर हुआ हंगामा

यूनिक समय, आगरा। आगरा नगर निगम की बैठक सोमवार को भारी हंगामे की भेंट चढ़ गई। बैठक के दौरान भाजपा पार्षद हरिओम बाबा ने मेयर और नगर निगम अधिकारियों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए सदन में ही शर्ट उतारकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। इसके बाद वह धरने पर बैठ गए। पार्षद ने आरोप लगाया कि सफाई कर्मियों की भर्ती में एक-एक लाख रुपये की वसूली की जा रही है और कई कर्मचारी दो नगर निगमों से वेतन ले रहे हैं। मेयर हेमलता दिवाकर कुशवाहा ने पार्षद के व्यवहार पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि सदन में महिला पार्षद भी मौजूद हैं और इस तरह कपड़े उतारकर विरोध करना अनुचित है। मेयर ने कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

उधर, नगर निगम कार्यालय के बाहर

भाजपा पार्षद ने शर्ट उतारकर जताया विरोध

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गेट पर चढ़कर प्रदर्शन किया

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने नगर निगम पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए और नारेबाजी करते हुए थाली-ताली बजाई। गेट बंद किए जाने पर कई कार्यकर्ता गेट पर चढ़ गए और वहीं धरने पर बैठ गए। करीब तीन घंटे तक चले प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हनुमान चालीसा का पाठ भी किया। उन्होंने शहर की खराब सफाई व्यवस्था और टूटी सड़कों को लेकर नाराजगी जताई।

युवक की पीट-पीटकर हत्या परिवार में मचा कोहराम

यूनिक समय, आगरा। आगरा के छत्ता थाना क्षेत्र स्थित धूलियागंज में युवक हर्ष जैन की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। आरोप है कि दबंगों ने मारपीट के दौरान उसका सिर जमीन पर पटक दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मुख्य आरोपी देवा माहौर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

मृतक की बहन मोहिनी जैन ने आरोप लगाया कि हर्ष को पहले से धमकियां मिल रही थीं। रविवार दोपहर भी उसके साथ मारपीट हुई थी। रात में आरोपी अपने साथियों के साथ पहुंचा और हर्ष को बेरहमी से पीटा। बहन रोते हुए बोली कि उसके भाई को तड़पाकर मारा गया। हर्ष अपनी मां, पत्नी और दो साल की बेटी के साथ रहता था। उसकी शादी चार साल पहले हुई थी। मां दीपिका जैन ने बताया कि मदर्स डे पर बेटे ने सोशल मीडिया पर उनके साथ फोटो साझा की थी। उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि यह आखिरी बातचीत होगी।

डीसीपी सिटी सय्यद अली अब्बास ने बताया कि पुरानी रंजिश और झगड़े के बाद घटना हुई। मामले में अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

महंगाई मुद्दे पर भाजपा सरकार को घेरा संजय

यूनिक समय, लखनऊ। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद और यूपी प्रभारी संजय सिंह ने महंगाई और बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि चुनाव खत्म होते ही सरकार जनता को तेल, गैस और सोने का इस्तेमाल कम करने की सलाह देने लगी है, जबकि भाजपा के रोड शो और राजनीतिक कार्यक्रमों में किसी तरह की कटौती नहीं दिखाई देती।

जनता पर बढ़ते आर्थिक बोझ को लेकर हमला

रोड शो में तेल बचत क्यों नहीं, पूछा सवाल

संजय सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार महंगाई और आर्थिक संकट को भी देशभक्ति से जोड़ रही है। उन्होंने कहा कि आम लोगों से पेट्रोल-डीजल, गैस और खाने के तेल का कम उपयोग करने को कहा जा रहा है, लेकिन सत्ता पक्ष के भव्य कार्यक्रम लगातार जारी हैं।

उन्होंने कहा कि हाल ही में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर और छोटे सिलेंडरों की कीमतों में बढ़ोतरी से गरीब, मजदूर, छात्र और छोटे दुकानदार सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं।

संजय सिंह ने सवाल उठाया कि आखिर जनता कब सरकार से जवाब मांगेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के समय राहत का दिखावा किया जाता है, लेकिन चुनाव खत्म होते ही जनता पर आर्थिक बोझ डाल दिया जाता है।

राइम्स विवाद पर मंत्री योगेंद्र उपाध्याय बोले- बदलनी होगी शिक्षा

संस्कार देने वाली शिक्षा पर सरकार का जोर

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बच्चों की लोकप्रिय अंग्रेजी राइम्स "जॉनी जॉनी यस पापा" और "रेन रेन गो अवे" को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसी राइम्स को पाठ्यक्रम से हटाने पर विचार होना चाहिए, क्योंकि शिक्षा का उद्देश्य केवल भाषा सिखाना नहीं बल्कि अच्छे संस्कार देना भी होना चाहिए।

मंत्री ने स्पष्ट किया कि वह अंग्रेजी भाषा के विरोधी नहीं हैं। उनका कहना है कि वे केवल ऐसी शिक्षा का विरोध करते हैं, जो बच्चों को गलत संदेश या कुसंस्कार देती हो। उन्होंने कहा कि इस

अंग्रेजी नहीं, गलत संस्कारों का किया विरोध

संबंध में केंद्रीय शिक्षा मंत्री को पत्र लिखकर इन राइम्स को पाठ्यक्रम से हटाने की मांग की जाएगी।

योगेंद्र उपाध्याय ने विपक्ष पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग उनके बयान को गलत तरीके से पेश कर रहे हैं और उन्हें अंग्रेजी विरोधी बताने की कोशिश कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति और नैतिक मूल्यों पर आधारित शिक्षा समय की जरूरत है।

उन्होंने शिक्षकों से भी अपील की कि वे विद्यार्थियों को संस्कारयुक्त शिक्षा देने पर अधिक ध्यान दें। साथ ही डिग्री कॉलेजों के शिक्षकों को आसपास के इंटर कॉलेजों से संपर्क बढ़ाने और व्यावसायिक पाठ्यक्रम शुरू करने की सलाह दी, ताकि छात्र संख्या में वृद्धि हो सके।

75 साल पूरे होने पर सजा सोमनाथ धाम, पीएम मोदी ने किया कुंभाभिषेक

सोमनाथ अमृत महोत्सव का भव्य आगाज

यूनिक समय, नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी दो दिवसीय गुजरात दौरे के दूसरे दिन गिर सोमनाथ पहुंचे, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर सोमनाथ मंदिर के जीर्णोधार के 75 वर्ष पूरे होने पर आयोजित "सोमनाथ अमृत महोत्सव" में प्रधानमंत्री ने हिस्सा लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान धार्मिक उत्साह और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला। गिर सोमनाथ पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने भव्य रोड शो किया। सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में मौजूद लोगों ने "जय सोमनाथ" और "हर–हर महादेव" के जयकारों से उनका स्वागत किया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इसके बाद प्रधानमंत्री सोमनाथ मंदिर पहुंचे, जो देश के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक माना जाता है। मंदिर में उन्होंने कुंभाभिषेक कार्यक्रम में भाग लिया और वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पूजा–अर्चना की। इस दौरान

गुजरात में आस्था का महासंगम

मंदिर परिसर में धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। सोमनाथ मंदिर के जीर्णोधार के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित इस महोत्सव को खास बनाने के लिए भारतीय वायुसेना के हेलिकॉप्टर से मंदिर परिसर में पुष्पवर्षा भी की गई। कार्यक्रम के दौरान भगवा पताका का ध्वजारोहण किया गया, जिसके साक्षी प्रधानमंत्री मोदी बने। यह आयोजन सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक आस्था और ऐतिहासिक गौरव का प्रतीक माना जा रहा है।

हिमाचल के चंबा में दर्दनाक सड़क हादसा

खाई में कार गिरने से छह पर्यटकों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में सोमवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे में छह पर्यटकों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है। हादसा चंबा–नूरपुर नेशनल हाईवे पर ककीरा के पास घार क्षेत्र में हुआ, जहां एक इनोवा कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। जानकारी के अनुसार, दुर्घटना सुबह करीब तीन बजे हुई। वाहन में चालक समेत कुल दस लोग सवार थे। बताया जा रहा है कि सभी यात्री गुजरात के पर्यटक थे, जो मनाली से डलहौजी की ओर घूमने जा रहे थे। हादसा इतना भीषण था कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को बड़ी मुश्किल से खाई से बाहर निकाला गया और प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए अस्पताल रेफर किया गया। मृतकों के शवों को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंच गई थीं। प्रारंभिक जांच में दुर्घटना का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। आशंका जताई जा रही है कि वाहन चालक का नियंत्रण खोने के कारण यह हादसा हुआ। पुलिस मामले की गहन

हादसे के कारणों की जांच में जुटी पुलिस

जांच कर रही है। दुर्घटनाग्रस्त इनोवा गाड़ी मंडी नंबर की बताई जा रही है। इस हादसे ने एक बार फिर पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा और सावधानी की आवश्यकता को उजागर कर दिया है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से पहाड़ी मार्गों पर सतर्कता के साथ यात्रा करने की अपील की है।

बंगाल में आयुष्मान भारत योजना लागू, शुभेंदु सरकार ने लिए बड़े फैसले

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की नई भाजपा सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कई बड़े फैसलों की घोषणा की। नवान्न में आयोजित बैठक के बाद उन्होंने कहा कि राज्य में अब सुशासन, सुरक्षा और विकास की नई शुरुआत होगी। सरकार ने सीमाई सुरक्षा, केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन और प्रशासनिक सुधारों को प्राथमिकता देने का फैसला किया है।

कैबिनेट बैठक में सबसे अहम निर्णय सीमावर्ती इलाकों में बीएसएफ को आवश्यक जमीन सौंपने की प्रक्रिया शुरू करने का रहा। मुख्यमंत्री ने भूमि एवं राजस्व विभाग को निर्देश दिया कि 45 दिनों के भीतर यह प्रक्रिया पूरी की जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने सीमाई सुरक्षा के मामलों में केंद्र और अदालतों के निर्देशों की अनदेखी की थी।

सरकार ने राज्य में आयुष्मान भारत योजना को लागू करने का भी फैसला लिया है। स्वास्थ्य विभाग को केंद्र सरकार के साथ जल्द समझौता पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। इस योजना के तहत पात्र परिवारों को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा मिलेगा। लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड दिया जाएगा, जिसके जरिए सूचीबद्ध अस्पतालों में मुफ्त इलाज कराया जा सकेगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, पीएम श्री, विश्वकर्मा योजना, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ

पहली कैबिनेट बैठक में सीमा सुरक्षा, केंद्रीय योजनाओं और प्रशासनिक सुधारों पर जोर

और उज्ज्वला योजना जैसी कई केंद्रीय योजनाओं को तेजी से लागू करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को लंबित आवेदनों को जल्द केंद्र सरकार को भेजने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सरकारी नौकरियों के लिए आयु सीमा में पांच साल की बढ़ोतरी की भी घोषणा की। साथ ही चुनावी हिंसा में जान गंवाने वाले लोगों के मामलों में परिवार की इच्छा पर जांच शुरू कराने की बात कही।

दिल्ली में खत्म हुआ गांवों का अस्तित्व

कागजों में शहर बने 352 गांव, सुविधाओं का अब भी इंतजार

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली में अब आधिकारिक रूप से एक भी गांव नहीं बचा है। हाल ही में 48 गांवों को शहरीकृत घोषित किए जाने के बाद राजधानी के सभी 352 गांव प्रशासनिक रूप से शहरी क्षेत्र में शामिल हो चुके हैं। नगर निगम ने आठ चरणों में यह प्रक्रिया पूरी की। हालांकि छह दशक से अधिक समय तक चले इस बदलाव के बावजूद अधिकांश गांवों की स्थिति आज भी ग्रामीण इलाकों जैसी बनी हुई है और लोग मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

दिल्ली में गांवों को शहरीकृत घोषित करने की शुरुआत वर्ष 1963 में हुई थी, जब पहले मास्टर प्लान के तहत 19 गांवों को शहरी श्रेणी में शामिल किया गया। इसके बाद 1966 में 72 गांव, 1982 में 24 गांव और 1994 में 20 गांवों को शहरीकृत किया गया। तीसरे मास्टर प्लान और लैंड पुलिंग नीति लागू होने के बाद यह प्रक्रिया तेज हुई। वर्ष 2017 में 89 गांव, 2019 में 79 गांव और 2021 में एक गांव को शहरी दर्जा मिला। अब 2026 में शेष 48 गांवों को भी शहरी घोषित कर दिया गया है।

पूर्व सांसद चौधरी तारीफ सिंह के अनुसार, गांवों को शहरीकृत करने का उद्देश्य वहां शहर जैसी सुविधाएं पहुंचाना था, लेकिन अधिकतर इलाकों में हालात नहीं बदले। आज भी कई गांव संकरी गलियों, टूटी सड़कों, जल निकासी की खराब व्यवस्था और पार्किंग संकट जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं।

पूर्व महानगर पार्षद रोहताश डबास का कहना है कि शहरीकरण के नाम पर गांवों में केवल टैक्स और नियम लागू किए गए, जबकि विकास कार्य सीमित रहे। कई गांवों में सिर्फ सीवर लाइन बिछाई गई, लेकिन अन्य सुविधाएं नहीं पहुंच सकीं। गांवों के आसपास पॉश कॉलोनियां विकसित हो गईं, जबकि गांव खुद अव्यवस्थित और पिछड़े इलाकों में बदल गए। शहरीकृत होने के बाद गांवों में संपत्ति कर, भवन उपनियम और मास्टर प्लान के नियम लागू हो गए हैं।

इससे मकान निर्माण और मरम्मत ग्रामीणों के लिए कठिन हो गई है। ग्रामीणों का कहना है कि पारंपरिक बसावट और संकरी गलियों वाले गांवों पर शहरी नियम व्यवहारिक नहीं हैं। शहरी योजनाकारों का मानना है कि सरकार ने गांवों को कागजों में शहर तो बना दिया, लेकिन उनके लिए अलग विकास मॉडल तैयार नहीं किया। नतीजतन ये क्षेत्र न पूरी तरह गांव रह पाए और न आधुनिक शहर बन सके।

देशभर की अदालतों का डेटा अब एक ही प्लेटफॉर्म पर

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने सोमवार को न्यायपालिका को डिजिटल रूप से मजबूत बनाने के लिए "वन केस वन डेटा" पहल की शुरुआत की। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य देशभर की अदालतों के डेटा को एकीकृत करना और आम नागरिकों के लिए न्यायिक सेवाओं को अधिक सुलभ बनाना है। मुख्य न्यायाधीश ने बताया कि इस प्रणाली के तहत सभी उच्च न्यायालयों, जिला अदालतों और तालुका अदालतों की जानकारी एक ही मंच पर उपलब्ध होगी। इससे अदालतों के बीच सूचनाओं का आदान–प्रदान आसान होगा और केस प्रबंधन प्रणाली अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनेगी। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका एक आधुनिक और कुशल केस मैनेजमेंट सिस्टम विकसित करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है।इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर "सु सहाय" नामक एआई आधारित चैटबॉट भी लॉन्च किया गया है। यह चैटबॉट राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) और सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री के सहयोग से विकसित किया गया है। इसका उद्देश्य वादियों और आम नागरिकों को अदालत की आवश्यक सेवाओं, प्रक्रियाओं और जानकारी तक सरल तरीके से पहुंच प्रदान करना है। यह पहल भारतीय न्यायपालिका को डिजिटल युग में अधिक पारदर्शी, तेज और नागरिक–अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

विदेशी मुद्रा बचाने के लिए ईंधन खर्च घटाने की अपील

युद्ध के बीच आर्थिक मजबूती जरूरी : अशिवनी वैष्णव

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देशवासियों से डीजल और पेट्रोल की खपत कम करने की अपील करते हुए कहा कि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में विदेशी मुद्रा बचाना बेहद जरूरी हो गया है। उन्होंने कहा कि दुनिया में जारी युद्ध और हाल के घटनाक्रमों को देखते हुए शांति स्थापित होने में अभी समय लग सकता है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकों से उन वस्तुओं पर खर्च कम करने का आग्रह किया है, जिनके आयात में विदेशी मुद्रा खर्च होती है।

वैष्णव ने कहा कि लोग अपनी जीवनशैली में छोटे बदलाव करके देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने विशेष रूप से डीजल और पेट्रोल के कम उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि इससे विदेशी मुद्रा की बचत होगी। साथ ही उन्होंने व्यापारियों और उद्योगपतियों से भी विदेशी मुद्रा बचाने और अधिक कमाई के नए रास्ते तलाशने की अपील की। सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में भारत की प्रगति का उल्लेख करते हुए मंत्री ने बताया कि देश ने 1962 में इस दिशा में कदम बढ़ाया था।

उन्होंने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और डॉ. मनमोहन सिंह जैसे पूर्व प्रधानमंत्रियों ने भी इस क्षेत्र को आगे बढ़ाने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान में भारत की दो सेमीकंडक्टर फैक्ट्रियां व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर चुकी हैं, जबकि तीसरी फैक्ट्री जुलाई और चौथी इसी वर्ष के अंत तक शुरू होने की संभावना है।

नेपाल के काठमांडू एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला

लैंडिंग करते समय विमान के टायर में लगी आग, 289 लोग सुरक्षित

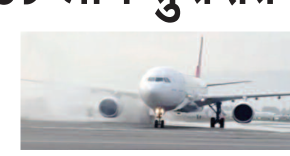

यूनिक समय, नई दिल्ली। नेपाल की राजधानी काठमांडू स्थित त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर सोमवार को एक बड़ा विमान हादसा टल गया। तुर्की एयरलाइंस के एक विमान के टायर में लैंडिंग के दौरान अचानक आग लग गई, जिससे एयरपोर्ट पर अफरा–तफरी मच गई। हालांकि राहत की बात यह रही कि विमान में सवार सभी 289 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

जानकारी के अनुसार, तुर्की एयरलाइंस की फ्लाइट टीके–726 इस्तांबुल से काठमांडू पहुंची थी। विमान जब रनवे पर उतर रहा था, तभी उसके टायर में आग लग गई। घटना की सूचना मिलते ही एयरपोर्ट पर आपातकालीन सेवाएं सक्रिय हो गईं और दमकल कर्मियों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। एयरपोर्ट सुरक्षा मामलों के एसपी राजकुमार सिलावल ने बताया कि विमान में कुल 278 यात्री और 11 चालक दल के सदस्य सवार थे। यात्रियों में संयुक्त राष्ट्र के कुछ अधिकारी भी शामिल थे। सभी लोगों को सुरक्षित तरीके से विमान से बाहर निकाला गया और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। हाल के वर्षों में बढ़ते विमान हादसों के बीच यह घटना एयरपोर्ट सुरक्षा व्यवस्था की सतर्कता को दर्शाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि समय रहते बचाव कार्य शुरू होने से एक बड़ा हादसा टल गया।

गोकुल बैराज तिराहे पर मौत बनकर खड़े बिजली के खंभे

गोकुल बैराज की ओर जाने वाले मार्ग पर लगे हैं यह पाइप के पोल

नीचे से गल गए खंभों से गुजर रही है हाई वोल्टेज लाइन, बढ़ा खतरा

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. कमल कौशिक का कहना है कि बैराज तिराहे के दोनों ओर लगाए गए हाई वोल्टेज करंट के पोल नीचे से गल गए हैं। यह खंभे किसी दिन आंधी में हादसे की वजह बन सकते है।

एडवोकेट नागेंद्र पाठक का कहना है कि आठ खंभे नीचे से जर्जर हो गए गए हैं। यह अब तारों के सहारे टिके हुए हैं। इनको नहीं बदलवाया गया तो यह किसी दिन गिर सकते हैं, जिससे जन हानि से इन्कार नहीं किया जा सकता है।

यूनिक समय, मथुरा। टाउनशिप-औरंगाबाद मार्ग से गोकुल बैराज की ओर जाने वाले तिराहे पर आठ ?बिजली के खंभे जर्जर हो गए हैं। गोल पाइप के इन खंभों के नीचे से गलने की वजह से इनके गिरने का खतरा बढ़ गया है। तेज आंधी की वजह से यह खंभे गिरते हैं तो जनहानि हो सकती है। गोकुल बैराज तिराहे पर हाई वोल्टेज लाइन को आर–पार करने के लिए आठ खंभे लगाए गए हैं। दोनों ओर चार-चार पाइप के यह खंभे अब नीचे से गलने लगे हैं, जबकि कुछ तो नीचे से कुछ गल भी गल भी गए हैं। हाई वोल्टेज लाइन को औरंगाबाद और दूसरे इलाकों में पहुंचाने के लिए सड़क के इधर– उधर लगाए गए यह खंभे अब खतरा बनने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन दिनों तेज आंधी का दौर चल रहा है। तार झूलने की वजह से कमजोर हो गए यह खंभे किसी दिन गिरेंगे तो जनहानि हो सकती है। विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता प्रभाकर पांडेय का कहना है कि इसकी जानकारी कराई जाएगी। खराब हो रहे खंभों का सही कराया जाएगा।

12 थानों की पुलिस ने चलाया रात्रि चेकिंग अभियान

1125 वाहनों को किया चेक और 85 के किए चालान

दो वाहनों को कागजात न होने पर किया सीज

यूनिक समय मथुरा। एसएसपी के निर्देश पर एक दर्जन थानों में पुलिस ने बीती रात चेकिंग की। चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने चार वाहनों को सीज कर दिया। इसके साथ ही 85 वाहनों के चालान किए गए।

एसपीआरए सुरेशचंद रावत ने बताया कि 12 थानों में संदिग्ध व्यक्तियों और संदिग्ध वाहनों को बीती रात चेक करने के आदेश दिए गए थे। पुलिस ने इस क्रम में अभियान चलाया गया। महावन थाने ने 109 वाहनों को चेक किया और 11 वाहनों का चालान किया।

थाना बल्देव ने 120 वाहनों को चेक किया और 15 वाहनों के चालान किए और दो वाहनों को सीज किया। इसी तरह थाना राया ने 85 वाहनों को चेक किया और छह वाहनों के चालान किए। थाना मांट ने 75 वाहनों में से तीन वाहनों के चालान किए। सुरीर ने 42 वाहनों में से तीन, नौहझील ने 45 में 6, शेरगढ़ ने 82 में से 6, छाताने 66 में से 11, थाना कोसीकलां ने 106 में से 10 के चालान किए एक वाहन को सीज किया, थाना बरसाना ने 45 में से चार, थाना मगोर्रा ने 75 में से 16, वहीं थाना गोवर्धन ने 275 वाहनों को चेक किया और 16 वाहनों के चालान किए और एक वाहन को सीज किया।

टैंटीगांव डकैती कांड के तीन और अभियुक्त गिरफ्तार

यूनिक समय, सुरीर,मथुरा। टैंटीगांव डकैती के सुरीर पुलिस ने तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस मामले में टैंटीगांव में पड़ी डकैती के मामले में पुलिस ने टीटू निवासी मलियाना किशोरपुरा थाना टीपी नगर जनपद मेरठ व शत्रु सिंह निवासी उपाध्याय मोहल्ला खैर जनपद अलीगढ़ और शहनाज निवासी मलियाना इस्लामनगर थाना टीपी नगर मेरठ को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से लूटे गए पैंडल अंगूठी, आठ हजार रुपये और एक बाइक बिना नंबर की बरामद की है।

समाजसेवियों ने राहगीरों के लिए लगाई प्याऊ

बरसाना मार्ग पर लगाई प्याऊ लोगों को ठंडाई से भरे गिलास देते हुए सिपाही।

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। भीषण गर्मी और तपती धूप से राहत देने के लिए सेवा भाव की एक अच्छी तस्वीर छाता–बरसाना रोड पर देखने को मिली। यहाँ समाजसेवी भाइयों ने राहगीरों के लिए शीतल जल और विशेष बादाम युक्त ठंडाई की प्याऊ लगाई गई। इसमें छाता पुलिस का भी सहयोग रहा।

बढ़ते तापमान और लू के थपेड़ों के बीच राहगीरों का बुरा हाल था। ऐसे में समाजसेवियों ने पहल करते हुए न केवल ठंडा जल, बल्कि पौष्टिक बादाम ठंडाई का वितरण किया। मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों, बाइक सवारों और पैदल यात्रियों ने रुककर अपनी प्यास बुझाई।

इस सेवा कार्य की सबसे खास बात यह रही कि सुरक्षा व्यवस्था में तैनात पुलिस के जवानों ने भी अपनी ड्यूटी के साथ–साथ जल सेवा में हाथ बंटाया। पुलिसकर्मियों ने खुद अपने हाथों में जल और ठंडाई के गिलास लेकर राहगीरों और वाहन चालकों को रुकवाकर पिलाया। खाकी वर्दी का यह मानवीय चेहरा देखकर हर कोई प्रभावित नजर आया।

आगामी त्योहारों को लेकर डीएम ने की बैठक

यूनिक समय मथुरा। जिला अधिकारी चंद्रप्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने कलेक्ट्रेट सभागार में आज आगामी त्योहार गंगा दशहरा, ईद आदि त्योहारों को सकुशल संपन्न कराने को लेकर अधिकारियों की बैठक कर उन्हें आवश्यक निर्देश दिए।

बलिदानियों के बलिदान से सुरक्षित है देश की सीमा

फरह क्षेत्र के गांव गांजोली में बलिदानी रामवीर सिंह की प्रतिमा का अनावरण करते राज्यसभा सदस्य चौ. तेजवीर सिंह।

राज्यसभा सदस्य चौ. तेजवीर सिंह ने गांव गांजोली में किया बलिदानी की प्रतिमा का अनावरण

यूनिक समय, फरह। राज्यसभा सदस्य चौ. तेजवीर सिंह ने क्षेत्र के गांव गांजोली में बलिदानी रामवीर सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया। कहा कि ऐसे बलिदानियों के बलिदान की वजह से देश की सीमाएं और भारत के मित्र देश सुरक्षित हैं। उन्होंने वीर नारी वीरमती की हिम्मत और साहस को भी नमन किया।

गांव गांजोली के रामवीर सिंह 1989 में आपरेशन पवन के दौरान श्रीलंका के जाफना सेक्टर में बलिदान हो गए थे। अमर बलिदानी परिवार ने बलिदानी रामवीर की स्मृति को स्थाई बनाने के लिए गांव में मूर्ति स्थापना और श्रद्धांजलि कार्यक्रम रखा, जिसमें आए राज्यसभा सदस्य ने फीता काटकर प्रतिमा स्थल का अनावरण करते हुए बलिदानी की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित किया।

इस दौरान वातावरण भारत माता की जय और रामवीर अमर रहे के नारों से गुंजायमान होता रहा। इस मौके पर राज्यसभा सदस्य ने कहा कि श्रीलंका के इस आपरेशन में 12 सौ सैनिक बलिदान हुए थे। 14 मई 1989 को रामवीर भी बलिदान हुए थे। ऐसे वीरों की वजह से हमारा देश और उसकी सीमाएं सुरक्षित हैं। वीर नारी वीरमती की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि शादी के तीन साल बाद जिसका सुहाग बलिदान हो जाए, वह बिना बच्चों के पति की यादों के सहारे जीवन यापन करे, उस महिला का भी त्याग कम बड़ा नहीं है। अमर बलिदानी के इस कार्यक्रम में सुबह हवन और मूर्ति स्थापना, श्रद्धांजलि सभा और बलिदानी परिवार का सम्मान हुआ। कार्यक्रम में पंकज प्रकाश, प्रधान नाहर सिंह, केरन सिंह, सुधड़ सिंह, भूपेंद्र सिंह, करनवीर सिंह, गोविंद सिंह, प्रमोद, पिता पीतम सिंह, मां मल्ला देवी, अमर सिंह, सेना पुलिस के अधिकारी और ग्रामीण मौजूद रहे।

वृद्धावस्था पेंशन व पारिवारिक लाभ योजना में बदला नियम

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन एवं पारिवारिक लाभ योजना के अंतर्गत आवेदन करने वाले लाभार्थियों के लिए आयु प्रमाण से संबंधित नियमों में बदलाव किया गया है। अब आधार कार्ड में अंकित जन्मतिथि को आयु प्रमाण पत्र के रूप में मान्यता नहीं दी जाएगी।

मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता ने बताया कि आवेदक की आयु सत्यापन के लिए अब परिवार/कुटुम्ब रजिस्टर की प्रमाणित प्रति अथवा शैक्षिक अर्हता से संबंधित प्रमाण पत्र, जिसमें जन्मतिथि अंकित हो, को ही मान्य दस्तावेज माना जाएगा। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन एवं पारिवारिक लाभ योजना के नवीन आवेदन करते समय आवेदकों को आधार कार्ड के स्थान पर परिवार रजिस्टर की प्रमाणित प्रति या शैक्षिक प्रमाण पत्र अपलोड करना अनिवार्य होगा। सीडीओ ने कहा कि आवेदन करते समय निर्धारित दस्तावेज ही अपलोड करें, ताकि आवेदन निरस्त होने की स्थिति से बचा जा सके।

नाले चौक, सर्विस मार्ग पर भर रहा गंदा पानी

अंडरपास के समीप कचरे से नाला भरने की वजह से सर्विस रोड पर भरा गंदा पानी।

नगर पंचायत ने हाईवे के नालों पर किया कब्जा बढ़ रही है समस्या

सफाई नहीं होने से नाले भर गए हैं कचरे से, जलभराव बना परेशानी

यूनिक समय, फरह। राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के दौरान बरसात के पानी को निकालने के लिए बनाए गए नालों पर अब नगर पंचायत का कब्जा है। सर्विस रोड के सहारे बने इन नालों में अब कस्बा का गंदा पानी गिरता है। अब यह नाले कचरे से भर गए हैं, ऐसे में गंदा पानी सर्विस रोड पर जमा हो रहा है, जिससे राहगीर और वाहन चालक परेशान हो रहे हैं।

कस्बा के समीप से निकल रहे राष्ट्रीय राजमार्ग का सर्विस रोड इन दिनों बदहाल है। एक ओर के सर्विस रोड के सहारे बने नालों में दुकानदारों की गंदगी और पानी भरा हुआ है, जबकि एक ओर के नाले में नगर पंचायत का गंदा पानी गरि रहा है। अब सफाई के अभाव में दोनों ओर के नाले गंदगी और कचरे से ठसाठस भरे हुए हैं, जिससे गंदा पानी नालों से निकलकर सर्विस रोड पर भरने लगा है। अंडरपास से कस्बा की ओर आने वाले आधे मार्ग पर गंदा पानी चलता है, जिससे लोगों को राह निकलने में परेशानी होती है। गंदे पानी से निकलने वाली बाइकों की वजह से लोगों के कपड़े भी खराब होते हैं।

गांवों को था बसों का इंतजार, अभी तक नहीं दौड़ी एक भी बस

29 बसों के संचालन की योजना अधर में, इस सप्ताह दो बसें मिलने की उम्मीद

छात्रों, किसानों और नौकरीपेशा लोगों को बसों का इंतजार

यूनिक समय, मथुरा। ग्रामीण अंचल के लोगों को जिस नई बस सेवा का बेसब्री से इंतजार था, वह अभी तक शुरू नहीं हो पाई है। करीब एक माह पहले रोडवेज विभाग और बस मालिकों के बीच बैठक के बाद यह उम्मीद जगी थी कि जल्द ही गांवों से शहर तक सीधी बसें दौड़ती नजर आएंगी, लेकिन फिलहाल ग्रामीणों को इंतजार ही करना पड़ रहा है। प्रशासन की योजना के तहत जिले के ग्रामीण क्षेत्र को बेहतर परिवहन सुविधा देने के लिए 29 नई बसों का संचालन प्रस्तावित किया गया था। इस योजना से गांवों के विद्यार्थियों, किसानों, मजदूरों, महिलाओं और नौकरीपेशा लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद थी। लोगों को भरोसा था कि अब शहर तक पहुंचने के लिए घंटों इंतजार और कई बार वाहन बदलने की परेशानी खत्म हो जाएगी। हालांकि योजना बनने और बैठकों के बाद भी अभी तक एक भी बस सड़क पर नहीं उतर सकी है। कई गांवों के लोग आज भी परिवहन सुविधा के अभाव में परेशान हैं। सुबह शहर पहुंचने के लिए लोगों को निजी वाहनों या महंगे साधनों का सहारा लेना पड़ता है।

कभी डग्गेमार वाहनों का सहारा लेकर शहर के लिए आते हैं। वहीं एआरएम मदन मोहन शर्मा ने बताया कि बस मालिकों द्वारा बसें बुक कर दी गई है और बसें मिलने के बाद उनका रजिस्ट्रेशन, फिटनेस और अन्य जरूरी औपचारिकताएं पूरी की जाएंगी। उन्होंने बताया कि इस सप्ताह दो बस मिलने की संभावना है। एआरएम के अनुसार यदि सभी प्रक्रियाएं समय पर पूरी हो गईं तो जल्द ही दो बसों का संचालन इस सप्ताह शुरू कराया जाएगा। बाकी 27 बसें अभी कंपनी से प्राप्त हो पाएंगी जब तक ग्रामीणों को अभी इंतजार करना पड़ेगा। बसें मिलने के बाद उन्हें चरणबद्ध तरीके से विभिन्न ग्रामीण रूटों पर चलाया जाएगा।

नई बस सेवा शुरू होने से सबसे ज्यादा फायदा विद्यार्थियों को होगा, जिन्हें पढ़ाई के लिए रोजाना शहर आना पड़ता है। वहीं किसान अपनी उपज आसानी से मंडियों तक पहुंचा सकेंगे और नौकरीपेशा लोगों का सफर भी आसान हो जाएगा।